শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 245 | गुवाहाटी | सोमवार, 7 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देशभर में संगठन को मजबूत करने में जुटा कांग्रेस, अध्यक्षों का बनेगा रिपोर्ट कार्ड पेज 2
ब्रह्मपुत्र की धारा पर शिकंजा कसने की साजिश पेज 3
सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने शक्ति देने का काम किया : अमित शाह पेज 5
राजस्थान रॉयल्स की धमाकेदार जीत, पंजाब किंग्स को उसके घर में 50 रनों से हराया पेज 7

भाजपा के बिना पूर्वोत्तर का विकास अकल्पनीय : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को पूर्वोत्तर में विकास लाने का श्रेय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिया और कहा कि पार्टी के बिना ऐसी प्रगति संभव नहीं होती। यह बयान गुवाहाटी के अटल बिहारी वाजपेयी भवन में भाजपा के 46वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान आया। शर्मा ने दावा किया कि आज भाजपा सरकार के बिना पूर्वोत्तर का विकास असंभव होता। असम में भाजपा के *कुशल* शासन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने राज्य में जीवन के हर पहलू पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है और अब राज्य में प्रत्येक स्वायत्त परिषद, नगर निकाय और पंचायत *-शेष पृष्ठ दो पर*

ऐतिहासिक जनादेश के बदौलत भाजपा का सुशासन देख रहे हैं : पीएम

नई दिल्ली। भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि लोग पार्टी के सुशासन एजेंडे को देख रहे हैं, जो पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश में भी परिलक्षित होता है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई। हम उन सभी को याद करते हैं जिन्होंने पिछले कई दशकों में हमारी पार्टी को मजबूत करने के लिए खुद को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दिन हमें भारत की प्रगति के लिए काम करने और विकसित भारत के सपने को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लोग हमारी पार्टी के सुशासन एजेंडे को देख रहे हैं, जो पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश में भी परिलक्षित होता है, चाहे वह लोकसभा चुनाव हों, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव हों या देश भर में विभिन्न स्थानीय निकाय चुनाव हों। उन्होंने कहा कि हमारी सरकारें समाज की सेवा करती रहेंगी और सर्वांगीण विकास *-शेष पृष्ठ दो पर*

रामनवमी पर दो लाख दीयों से जगमगा उठी अयोध्या

प्रयागराज। रामनवमी के मौके पर अयोध्या में भव्य तस्वीरें दिख रही हैं। लाखों की संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। ठीक 12 बजे रामलला के जन्मोत्सव के बाद उन्हें भगवान भास्कर ने सूर्य तिलक लगाया। प्रभुराम की नगरी अयोध्या में भक्त जय श्री राम के नारों के साथ राम लला के दर्शन के लिए कतार में लगे नजर आए। सुबह से श्रद्धालु पवित्र यमुना में डुबकी लगाने के बाद मंदिर की ओर बढ़े। सभी के मन में एक ही इच्छा कि बस एक बार रामलला के दर्शन हो जाएं। आपको बता दें कि अयोध्या को फूलों से सजाया गया और सुरक्षा के भी फूल प्रूफ इंतजाम किए गए। आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे। संभल में 87 देव तीर्थ हैं, जिनमें से 58 मिल चुके हैं। हर देव तीर्थ पर अष्टमी और नवमी को *रामचरितमानस और रामायण* पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम लोग और सभी अन्य समितियां और गैर सरकारी संगठन भाग लेंगे। संभल के डीएम राजिंदर पेंसिया ने बताया कि माहौल शांतिपूर्ण है और अशांति फैलाने वाली कोई गतिविधि नहीं हुई है... शांति समिति की बैठकों और आमने-सामने की बातचीत और वार्तालापों के माध्यम से, हमें सभी का सहयोग मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी यह शांति बनी रहेगी। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या धर्म की नगरी है। अयोध्या पूज्य है, *-शेष पृष्ठ दो पर*

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

काम, क्रोध और लोभ ये तीनों नरक के व्दार हैं।

-कबीर

वक्फ संशोधन बिल को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी, बना कानून

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 कानून बन गया है। मैराथन बहस के बाद संसद के दोनों सदनों से पारित विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार देर रात मंजूरी दे दी। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मु ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2025 को भी अपनी स्वीकृति दे दी। सरकार ने एक अधिसूचना में कहा कि संसद से पारित वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। इससे पहले लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ (संशोधन) विधेयक गरमागरम बहस के बाद पारित कर दिया था। वहीं, नए कानून को कांग्रेस, एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी (आप) ने अलग-अलग याचिकाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। नए कानून का उद्देश्य पक्षपात, वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग और वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण को रोकना है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने कहा है कि यह कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मु के हस्ताक्षर के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक कानून बन गया है। अब पूरे देश में नया वक्फ कानून लागू हो जाएगा। संयुक्त समिति की रिपोर्ट के बाद लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पारित किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार, वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन से संबंधित हितधारकों के सशक्तिकरण, सर्वेक्षण, पंजीकरण और मामले के निपटान की प्रक्रिया में सुधार लाना है। इसके अलावा मुसलमान वक्फ अधिनियम-1923 को भी निरस्त कर दिया गया है। राज्यसभा में इस बिल पर करीब 13 घंटे तक चर्चा चली। यह विधेयक लोकसभा में करीब 12 घंटे तक चली मैराथन बहस के बाद पारित हुआ था। इसके बाद विधेयक को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया था जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर कर कानून बनाने को मंजूरी दे दी है। जेपी नड्डा ने वक्फ अधिनियम से निपटने के तरीके को लेकर कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया था और आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस कानून को इस तरह से बनाया है जिससे कथित तौर पर भू-माफियाओं को मदद मिल रही है। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इसे मुसलमानों पर हमला बताते हुए लोकसभा में विधेयक की प्रति फाड़ दी थी। बिल का विरोध करने वालों को चेतावनी देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा था कि यह संसद द्वारा बनाया गया *-शेष पृष्ठ दो पर*

प्रधानमंत्री ने रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की

परमकुडी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रामेश्वरम में स्थित रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले रामनाथपुरम जिले में बने नए पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया था। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। इस दौरान मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें पूर्ण कुंभ सम्मान दिया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री *-शेष पृष्ठ दो पर*

तामुलपुर में आयोजित 32वीं बाथौ महासभा अधिवेशन में पहुंचे मुख्यमंत्री

तामुलपुर (हि.स.)। तामुलपुर जिले के पथालिकुचि में 4 अप्रैल से शुरू हुआ 32वां बाथौ महासभा सम्मेलन अपने पूर्ण गौरव के साथ जारी है। 6 अप्रैल को आयोजित खुले सत्र में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा अपने सारगर्भित संबोधन में बाथौ धर्म की महत्ता, सिजू वृक्ष से आत्मा का संबंध और पंचतत्वों की व्याख्या करते हुए कहा कि बाथौ धर्म विश्व के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है। बोड़ो समुदाय के लिए इससे श्रेष्ठ कोई धर्म नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि नई दिल्ली में असम भवन के लिए ली गई नई भूमि में नामघर के साथ सिजू वृक्ष की भी स्थापना की जाएगी, जिससे बाथौ धर्म की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हो सके। *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

जमीअत ने वक्फ संशोधन कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद के दोनों सदनों से पारित वक्फ संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का कहना है कि यह कानून *-शेष पृष्ठ दो पर*

भाजपा नेता की बेटी पर एसिड अटैक, हालत गंभीर

पटना। बिहार में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे रहे हैं। इसी बीच एक बार फिर अपराधियों का तांडव देखने को मिला है। मामला बेगूसराय जिले का है, जहां बेखौफ बदमाशों ने भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष की पुत्री पर देर रात सोए अवस्था में एसिड अटैक कर दिया। इस हमले में युवती झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए निजी *-शेष पृष्ठ दो पर*

भाजपा ने पंचायत चुनाव घोषणापत्र के लिए जनता से सुझाव मांगे

गुवाहाटी। 2 और 7 मई, 2025 को होने वाले पंचायत चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने अपने चुनाव घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने में एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है, जिसका उद्देश्य इसे जमीनी स्तर की जरूरतों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करना है। 5 अप्रैल की रात को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन, वशिष्ठ में संकल्प (घोषणापत्र) समिति की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रणजीत कुमार दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रामेश्वर तेली सहित अन्य वरिष्ठ नेता एवं पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में असम में ग्रामीण विकास के लिए मुख्य नीतिगत प्राथमिकताओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। *-शेष पृष्ठ दो पर*

मेरापानी फार्म से बेदखली के आदेश का किसानों ने किया विरोध

गोलाघाट। गोलाघाट में असम-नगालैंड सीमा पर तनाव बढ़ गया, क्योंकि मेरापानी भोलागुरी बीज फार्म के 1,000 से अधिक किसानों ने बीज खेती की गतिविधियों को बंद करने और जमीन खाली करने के नगालैंड सरकार के हालिया निर्देश के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर पाम ऑयल की खेती का रास्ता साफ करने के लिए जारी किए गए इस आदेश से स्थानीय किसानों में आक्रोश भड़क गया है, जिनका दावा *-शेष पृष्ठ दो पर*

पीएम मोदी ने देश को सौंपा पहला वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज

रामेश्वरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री ब्रिज पंबन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में कई अन्य विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी की। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है। इसे राम नवमी के दिन जनता के सामने पेश किया गया। इस दौरान पीएम मोदी के वहां होने से रामेश्वरम में सुरक्षा बढ़ा दी गई। दोपहर करीब 1 बजे प्रधानमंत्री ने नए पंबन रेलवे पुल को जनता को समर्पित किया। उन्होंने रामेश्वरम से तांब्रम (चेन्नई) के बीच एक नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। यहां से पीएम मोदी रामेश्वरम के प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे और सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। इन परियोजनाओं में एनएच-40 के 28 किलोमीटर लंबे वालाजापेट-रानीपेट खंड को चार लेन का बनाने के कार्य का शिलान्यास और एनएच-332 के 29 किलोमीटर लंबे विलुप्पुरम-पुडुचेरी खंड को चार लेन का बनाने का काम, एनएच-32 का 57 किलोमीटर लंबा पूंडियनकुप्पम-सत्तनाथपुरम खंड और एनएच-36 का 48 किलोमीटर लंबा चोलापुरम-तंजावुर खंड शामिल हैं। ये सड़कें तीर्थ स्थलों, पर्यटन स्थलों, शहरों, मेडिकल कॉलेजों और बंदरगाहों को बेहतर ढंग से जोड़ेंगी। ये *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देशभर में संगठन को मजबूत करने में जुटा कांग्रेस, अध्यक्षों का बनेगा रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। अब देशभर में संगठन की मजबूत पर काम कर रही कांग्रेस ने तय किया है कि संगठन निर्माण और उसके क्रियाकलापों की बारीकी से निगरानी होगी। जिला और शहर अध्यक्षों को टाइमलाइन बनाकर लक्ष्य सौंप दिया गया कि जून तक गांव और वार्ड स्तर पर कमेटियां बना लेनी हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तो दो टूक कह दिया है कि यदि तीन माह बाद जिला और शहर अध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड बनेगा। जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे, उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस ने यह वर्ष संगठन निर्माण के लिए समर्पित किया है। इसी के तहत अलग-अलग राज्यों के समूह बनाकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठकें कर रहे हैं। गत दिवस शीर्ष नेताओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल आदि राज्यों के जिला व शहर अध्यक्षों के साथ बैठक की। संगठन निर्माण को लेकर सांसद शशिकांत सैंथिल ने प्रस्तुतीकरण किया। इसमें बताया गया कि इसी मई यानी अगले माह तक मंडल कांग्रेस कमेटियों का गठन कर लेना है। प्रत्येक मंडल कमेटी के अंतर्गत 15 से 20 बूथ होंगे। इसी समय सीमा में प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को दो-दो बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1 और बीएलए-2) की नियुक्ति करनी है। गांव कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटियों के गठन के लिए जून, 2025 तक का समय दिया गया है। जून तक ही बूथ लेवल एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा करना है। इसके अलावा मतदाता सूची से संबंधित गतिविधियां लगातार चलाई जाएंगी। कार्यकर्ताओं के लिए जमीनी स्तरपर प्रशिक्षण सत्र भी सतत चलाने होंगे। बैठक में शामिल सूत्रों ने बताया कि कुछ जिलाध्यक्षों ने सुझाव दिया कि अब कुछ राज्यों में पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए बिना गठबंधन के चुनाव लड़ना चाहिए। राहुल गांधी ने उनकी भावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वह स्थिति भी आपको ही बनाना है। हर विधानसभा और लोकसभा सीट पर संगठन को इतना मजबूत बनाना होगा कि यदि सहयोगी दलों से गठबंधन न हो सके तो कांग्रेस अपने बूते पर मजबूती से चुनाव लड़ सके। संदेश यही था कि संगठन की कमजोरी के चलते ही कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल और मंशा की अनदेखी कर मजबूरन कई राज्यों में गठबंधन में चुनाव लड़ना पड़ रहा है। निगरानी के लिए मजबूत तंत्र की रणनीतिसंगठन निर्माण से लेकर पार्टी की सभी गतिविधियों के संयोजन व समन्वय के लिए भी कांग्रेस ने नए तंत्र पर काम शुरू किया है। इसी माह अप्रैल में सभी राज्यों में स्टेट साथी केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि साथी केंद्र जिला स्तर पर भी बनेंगे। राज्य और जिला साथी केंद्रों में वरिष्ठ नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। वह प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे, अमल के लिए सुझाव देंगे और रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचाएंगे। इसी तरह मई तक सभी राज्यों में एआईसीसी रोल आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे, जो मतदाना सूची संबंधी गतिविधियों और संगठन निर्माण प्रक्रियों में सहयोग के साथ निगरानी का दायित्व संभालेंगे।

ज्यादा नमाज न पढ़े मुसलमान कुवैत में फरमान जारी

कुवैत सीटि। कुवैत ने नमाज पर किया ऐसा एलान, सुनकर भारत के मुस्लिम भी चकरा जाएंगे। मुसलमान ज्यादा नमाज ना पढ़े यह फरमान जारी किया गया है। मुसलमानों के ज्यादा नमाज पढ़ने के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया गया है। इबादत पर पाबंदी लगाने के आदेश दे दिए गए हैं। भारत के मुस्लिम यह खबर देखकर हैरान हो जाएंगे। यह हैरान करने वाला फरमान भारत, रूस, अमेरिका या चीन ने नहीं दिया। यह फैसला तो एक ताकतवर मुस्लिम देश ने सुनाया है। इस देश का नाम कुवैत है। कुवैत सरकार ने मस्जिदों में बढ़ती बिजली खपत और संभावित बिजली संकट को देखते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के तहत देश की सभी मस्जिदों में नमाज को छोटा करने और बिजली की बर्बादी को रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं निर्देश एक मुस्लिम देश ने दिए हैं तो मजाल है कि कोई बुद्धिजीवी या ठेकेदार कुछ बोल दे कुवैत की जनता भी वही करेगी जो सरकार ने कहा है। कुवैत के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने इमामों और मुअज्जिनों को देश भर की मस्जिदों में नमाज की रस्मों को छोटा करने का निर्देश जारी किया है। यह निर्णय बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुरोध के बाद लिया गया है और सभी छह गवर्नरेट में मस्जिदों को प्रभावित करने वाली अनुसूचित बिजली कटौती के साथ आता है। 2024 के परिपत्र संख्या 8 के अनुसार, इमामों को जुहर (सुबह) और अस्त्र (दोपहर) की नमाजों के लिए इकामा (प्रार्थना के लिए दूसरी पुकार) की अवधि कम करने और अनावश्यक रूप से लंबी नमाज पढ़ने से बचने का निर्देश दिया गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि कुवैत मस्जिदों की बिजली खपत से परेशान है तो कुछ हफ्ते पहले एक खबर आई थी कि संभल की मस्जिदों में जमकर बिजली की चोरी और बर्बादी होती है। लेकिन अगर कुवैत जैसा फैसला भारत में ले लिया जाता तो क्या होता।

रेसुब ने 75 लाख रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद कीं

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेनों और स्टेशनों में वर्जित/ तस्करी के सामान के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने मार्च, 2025 में 75 लाख रुपए से अधिक मूल्य की तस्करी का सामान बरामद किया। इस अवधि के दौरान वर्जित/ तस्करी के सामान के परिवहन में कथित संलिप्तता के लिए रेसुब ने 18 लोगों को भी हिरासत में लिया। इसके अलावा, पूसीरे की रेसुब सक्रिय दलालों पर कार्रवाई के लिए नियमित रूप से अभियान चला रही है। मार्च, 2025 के दौरान इस जोन में चलाए गए जांच अभियान में, रेसुब ने 7 दलालों को पकड़ा और उनके पास से 99, 000 रुपए से अधिक मूल्य के 32 रेल टिकट बरामद किए। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 24 मार्च, 2025 की घटना में, डिमापुर रेसुब डिमापुर रेलवे स्टेशन पर रूटीन जांच कर रही थी। जांच के दौरान, रेसुब ने एक व्यक्ति को पकड़ा और 10.85 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 2.17 लाख रुपए है। बाद में, बरामद ब्राउन शुगर सहित पकड़े गए व्यक्ति को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए ओसी/जीआरपी/डिमापुर को सौंप दिया गया।

सिकंदरा में गाजी मियां की दरगाह पर लहराया भगवा झंडा, पुलिस बोली- होगी कार्रवाई

बहरिया (प्रयागराज)। सिकंदरा स्थित सालार मसूद गाजी मियां की दरगाह पर महाराजा सुहेलदेव सुरक्षा सम्मान मंच के कार्यकर्ताओं ने रविवार को भगवा झंडा फहरा दिया। परिसर में काफी देर तक विरोध प्रदर्शन कर दरगाह को हटाने की मांग की। इसका वीडियो वायरल होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन तब प्रदर्शनकारी जा चुके थे। एसीपी पंकज लवानिया ने कहा कि जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बहरिया ब्लॉक के सिकंदरा कस्बा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर प्रत्येक रविवार और बुधवार को रौजा मेला लगता है, जिसमें हिंदू और मुसलमान पहुंचते हैं। विवाद 23 मार्च को शुरू हुआ, जब दरगाह पर रौजा मेला कमेटी के अध्यक्ष सफदर जावेद की ओर से पुलिस ने ताला लगवा दिया था। हालांकि, शाम को जावेद ने बयान जारी किया कि मरम्मत कार्य की वजह से ताला लगाया गया है। दूसरे दिन 24 मार्च को ताला खोल दिया गया, लेकिन सन्नाटा रहा। इसके बाद कुछ लोग पहुंचते रहे। लेकिन 30 मार्च को मेले वाले दिन फिर बैरिकेडिंग कर दी गई।

टेंगापुखुरी में *अकणिर बाजार* : छात्रों में उद्यमिता विकास की अभिनव पहल

चराइदेव (हिंस)। छात्र-छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनके भीतर व्यावहारिक समझ और उद्यमिता को विकसित करने के उद्देश्य से चराइदेव जिले के माहमरा क्षेत्र के अंतर्गत 40 नंबर टेंगापुखुरी निम्न बुनियादी विद्यालय में *अकणिर बाजार* नाम से एक अस्थायी बाजार का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रीता कलिता ने रविवार को बताया कि टेंगापुखुरी प्रेक्षागृह में लगाए गए इस बाजार में छात्रों को विक्रेता और खरीदार की भूमिकाओं में बांटा गया। नकली मुद्रा और सब्जियों का उपयोग कर छात्रों ने खरीद-बिक्री की गतिविधियों में भाग लिया। यह पहल छात्रों को जीवन के मूलभूत आर्थिक सिद्धांतों से परिचित कराने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देती है। इस विशेष बाजार का उद्घाटन क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी और अवकाशप्राप्त शिक्षक वैकुण्ठ बरकाकति ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रीता कलिता सहित कई सम्मानित व्यक्ति और अभिभावक भी मौजूद रहे। छात्रों ने अपने घरों में उत्पादित स्थानीय हरी सब्जियों को बाजार में लाकर बेचते हुए न केवल सहभागिता दिखाई, बल्कि व्यावहारिक शिक्षा का भी अनुभव प्राप्त किया। *अकणिर बाजार* विशेष आकर्षण बन गया और बाल उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

रामनवमी पर राममय हुआ पूरा बंगाल, चुनाव से पहले भाजपा ने दिखाई ताकत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रविवार को रामनवमी के जश्न में धार्मिक उत्साह और राजनीतिक लामबंदी का जीवंत मिश्रण देखने को मिला, जिसमें पूरे राज्य में हाई-प्रोफाइल रैलियां और जुलूस निकाले गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दोनों के नेताओं ने संभावित अशांति की चिंताओं के कारण कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। टीएमसी ने भाजपा पर रामनवमी समारोह के माध्यम से हिंदू वोटों को एकजुट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले, विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के सोनाचूरा गांव में राम मंदिर की आधारशिला रखी। यह स्थल ऐतिहासिक महत्व रखता है क्योंकि यह 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र था, जहां बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम सात प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जय श्री राम (भगवान राम की जय) के नारों के बीच, भगवा वस्त्र पहने शुभेंदु अधिकारी ने शहीद मीनार से सोनाचूरा में प्रस्तावित मंदिर स्थल तक एक रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा

कि हम शांतिप्रिय लोग हैं; हम कभी ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो कानून तोड़ने के बराबर हो। अधिकारी ने कहा कि भक्त प्रार्थना और भक्ति गीतों में व्यस्त थे, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हजारों वर्षों से राम नवमी मनाने का पारंपरिक तरीका रहा है। उन्होंने इस अवसर के इर्द-गिर्द राजनीतिक प्रचार को खारिज करते हुए कहा कि उत्सव के इर्द-गिर्द प्रचार करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। भगवान राम को *हिंदुओं के लिए विश्वास और आस्था का प्रतीक* बताते हुए अधिकारी ने कहा कि जल्द ही उस स्थान पर एक मंदिर बनेगा। पूरे पश्चिम बंगाल में, लगभग 2,500 रैलियां निर्धारित की गई थीं, जिसमें शांति सुनिश्चित करने के लिए 6,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। रविवार को सुबह से ही उत्सव शुरू हो गया, जिसमें भगवा वस्त्र पहने भक्त, धार्मिक मंत्र और रामायण के दृश्यों को दर्शाती झांकियों के साथ जुलूस शामिल थे। हावड़ा में, भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार शिबपुर में अंजनी पुत्र सेना रैली में शामिल हुए, जबकि साथी पार्टी नेता सौमित्र खान ने बांकुड़ा में एक जुलूस के दौरान अपने लाठी खेला (लाठी ड्रिल) कौशल का प्रदर्शन किया। उत्तर हावड़ा के सालकिया में, टीएमसी पार्षद गौतम चौधरी ने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक रैली में भाग लिया। कोलकाता के पास न्यू टाउन में तनाव बढ़ गया, जहां भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने एक जुलूस का नेतृत्व किया जिसे केष्टोपुर के पास पुलिस ने रोक दिया। पुलिस ने साल्ट लेक की ओर जाने वाले वीआईपी रोड के पास बैरिकेड्स लगाए थे। तीखी नोकझोंक के बाद, चटर्जी ने पुलिस के कदम पर सवाल उठाते हुए कहा, यह कोई राजनीतिक रैली नहीं है।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा के बिना ...

में उसकी सत्ता है। शर्मा ने कहा कि भगवा पार्टी अपने लोगों का गौरव बहाल करके असमिया समाज को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र की भाजपा नीत सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराना उनकी पार्टी की बदौलत ही संभव हो पाया है। उन्होंने आगे कहा कि ऐतिहासिक सुधार - जैसे कि अनुच्छेद 370 को हटाना और मुस्लिम महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध - केवल भाजपा के नेतृत्व में ही हासिल किए गए। भाजपा को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा को कमजोर करने का मतलब एक विचारधारा को कमजोर करना और वैश्विक मंच पर भारत के उदय में बाधा डालना है। जब तक सूरज और चाँद रहेगा, पार्टी देश की सेवा करती रहेगी। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पार्टी की छवि और ताकत पर सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभाव के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया और आगाह किया कि कई लोग भाजपा को बदनाम करने का प्रयास करेंगे, जबकि वह प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल भाजपा को बदनाम करने और उसे कमजोर करने के लिए किया जा सकता है। हमें इस मामले में मजबूती से खड़ा होना चाहिए और अपनी उपलब्धियों को सक्रिय रूप से उजागर करना चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे आने वाले वर्षों में भारत को वैश्विक नेता के रूप में उभरने में मदद करने का संकल्प लें। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री शर्मा और असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में राज्य मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। शर्मा ने यह भी कहा कि भाजपा के पास अब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी ज़्यादा सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि परिवार द्वारा संचालित राजनीति ने हमारी पार्टी को कलंकित नहीं किया है। भाजपा कार्यकर्ता द्वारा संचालित संगठन है और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा।

ऐतिहासिक जनादेश के ...

सुनिश्चित करेंगी। हमारी पार्टी की रीढ़, हमारे सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को मेरी शुभकामनाएं, क्योंकि वे सक्रिय रूप से जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और हमारे सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि भाजपा के कार्यकर्ता देश के हर हिस्से में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और गरीबों, वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ऊर्जा और उत्साह वास्तव में प्रेरक है। उल्लेखनीय है कि भाजपा की स्थापना साल 1980 में तत्कालीन भारतीय जनसंघ के नेताओं द्वारा की गई थी। भाजपा ने 1984 में लड़े गए पहले आम चुनाव में केवल दो लोकसभा सीटें जीती थीं। हालांकि, बाद में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में यह तेजी से आगे बढ़ी और 90 के दशक में गठबंधन सरकार बनाई। साल 2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला, तब से ही यह पार्टी सत्ता के केंद्र में है।

प्रधानमंत्री ने रामनाथस्वामी...

के साथ प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी के दर्शन व पूजन को देखते हुए श्रद्धालुओं को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक रामनाथस्वामी मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

वक्फ संशोधन बिल ...

कानून है और इसे सभी को मानना पड़ेगा। यदि तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस ने 2013 में वक्फ कानूनों को अति कठोर नहीं बनाया होता, तो आज यह संशोधन लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि वक्फ विधेयक से विपक्षी पार्टियां मुसलमानों को डरा रही हैं। उनका कहना था कि दुनिया में अल्पसंख्यकों के लिए भारत से ज्यादा सुरक्षित कोई देश नहीं है।

तामुलपुर में आयोजित...

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार बाथौ थानचालियों को समर्थन देने के लिए तत्पर है। उन्होंने घोषणा की कि चिरांग, गोरेश्वर और तेजपुर के घोरामारी में *बाथौ थानचाली और हेरिटेज सेंटर* के नाम से तीन विशाल केंद्रों के निर्माण हेतु, कुल 15 करोड़ रुपए का आवंटन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 100 अन्य बाथौ थानचालियों को 5-5 लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने 200 बाथौ थानचालियों को सहायता प्रदान की है। बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने अपने संक्षिप्त भाषण में बाथौ धर्म को आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बताते हुए भारत के गृह मंत्री और असम के मुख्यमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोड़ो समुदाय बाथौ धर्म की आध्यात्मिक चेतना से ही उन्नति की राह पर अग्रसर है। इस अवसर पर लगभग 27,000 श्रद्धालु उपस्थित थे। सभा में बीटीसी प्रमुख कातिराम बोड़ो, राज्यसभा सांसद रन्गौरा नार्जारी, स्थानीय विधायक जलन दैमारी, बीटीसी के अन्य पदाधिकारी, जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधरी समेत प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी, बाथौ महासभा के कार्यकर्ता तथा जनसमुदाय बड़ी संख्या में शामिल हुए।

रामनवमी पर दो लाख ...

अयोध्या में सरयू नदी है, अयोध्या में हनुमानगढ़ी है और अयोध्या में भगवान राम का मंदिर है। अयोध्या में देश-दुनिया की आस्था है। अयोध्या में जितने भी श्रद्धालु आएंगे उनका हम स्वागत करेंगे। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और श्रद्धा की रोशनी में नहाई हुई है। रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में 2 लाख दीये जलाए गए हैं। अयोध्या का चप्पा-चप्पा दिव्य और भव्य नजर आ रहा है। चैत्र (वासंतिक) नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। यहां प्रतिष्ठित विग्रहों का पूजन किया और आरती उतारी। इसके बाद वह मंदिर परिसर के ओपन एयर थिएटर के मंच पहुंचे।

भाजपा ने पंचायत ...

सत्र के दौरान पारित एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव में घोषणापत्र बनाने की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष सार्वजनिक भागीदारी की मांग की गई - जो लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, भाजपा असम ने जनता से अपील की है कि वे पार्टी के पंचायत चुनाव घोषणापत्र में क्या देखना चाहते हैं, इस पर अपने सुझाव, प्रतिक्रिया और विचार प्रस्तुत करें। एक सार्वजनिक वक्तव्य में सांसद दिलीप सैकिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल, ग्रामीण आवाजों को सशक्त बनाकर और पंचायती राज प्रणाली में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करके समावेशी और उत्तरदायी शासन बनाने के भाजपा के दृष्टिकोण का हिस्सा है। इस आउटरीच का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों के जीवंत अनुभवों पर आधारित एक घोषणापत्र तैयार करना है, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, टिकाऊ आजीविका और पारदर्शी स्थानीय शासन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मेरापानी फार्म से ...

है कि वे पांच दशकों से इस भूमि पर खेती कर रहे हैं। विवादित मेरापानी सीमा क्षेत्र में स्थित 1,200 एकड़ का बीज फार्म असम के गोलाघाट जिले में आता है, लेकिन कथित तौर पर लंबे समय से नगालैंड इस पर दावा करता रहा है। यह मामला दशकों से अनसुलझा है और वर्तमान में भारत के सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इस कानूनी अस्पष्टता के बीच, नगालैंड सरकार द्वारा अचानक जारी निर्देश को क्षेत्रीय नियंत्रण स्थापित करने तथा क्षेत्र का उपयोग बीज की खेती से हटाकर तेल ताड़ के बागानों में करने के कदम के रूप में देखा गया है। पीड़ित भीड़ को संबोधित करते हुए कृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) के महासचिव बिद्युत सैकिया ने निर्देश की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस भूमि पर असम के किसानों ने पीढ़ियों से खेती की है। उन्हें बीज की खेती बंद करने और खाली करने का आदेश देना आक्रामकता का काम है। नगालैंड और असम दोनों सरकारों ने इन लोगों को निराश किया है। जब हमारे लोगों को धमकाया जाता है तो मंत्री, विधायक और जिला अधिकारी कहां रहते हैं? सालों से सुप्रीम कोर्ट असम से बीज की खेती पर अपने नियंत्रण को प्रमाणित करने वाले दस्तावेज पेश करने के लिए कह रहा है। फिर भी, कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। किसानों की मुख्य मांगों को सूचीबद्ध करते हुए सैकिया ने कहा कि वे खेती के अपने अधिकार की सुरक्षा, नगालैंड द्वारा भूमि अतिक्रमण को समाप्त करने और पाम ऑयल की खेती की किसी भी योजना पर पूर्ण रोक चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को कॉर्पोरेट हितों और हजारों किसान परिवारों के अस्तित्व के बीच चयन करना होगा। किसानों ने असम सरकार पर अपने क्षेत्रीय दावे को पुष्ट करने तथा अपने लोगों की सुरक्षा करने में लंबे समय से चुप्पी साधने तथा लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम यहां वोट देते हैं, हम यहां कर देते हैं, फिर भी हम डर में रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने पीढ़ियों से इस जमीन पर खेती की है। अचानक, नगालैंड सरकार ने कहा कि हमें जमीन खाली करनी होगी। अगर नगालैंड के साथ कोई समझौता हुआ था, तो मुख्यमंत्री को इसका खुलासा करना चाहिए। अन्यथा, यह कदम पूरी तरह से अस्वीकार्य है। किसान भी पाम ऑयल की खेती के पर्यावरणीय परिणामों पर चिंता जता रहे हैं। कई देशों में वनों की कटाई और मिट्टी के क्षरण के लिए इस फसल की व्यापक रूप से आलोचना की गई है। एक चिंतित प्रदर्शनकारी ने पूछा कि ग्वालपाड़ा और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी पाम ऑयल ने उपजाऊ भूमि को बंजर बना दिया है। क्या हम अगले हैं? प्रदर्शनकारियों ने बिना किसी परामर्श या सहमति के उन्हें विस्थापित करने या उनकी कृषि भूमि को औद्योगिक बागानों में बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करने की शपथ ली है। बीज फार्म क्षेत्र लंबे समय से तनाव का केंद्र रहा है, 1985 में एक हिंसक झड़प के बाद सुप्रीम कोर्ट में मौजूदा कानूनी लड़ाई चल रही है। मामला लंबित होने के बावजूद, क्षेत्रीय मुद्दे को हल करने के लिए कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे निवासियों में लगातार असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है। सीआरपीएफ या स्थानीय कानून प्रवर्तन की अनुपस्थिति सहित जमीन पर कोई प्रशासनिक उपस्थिति न होने के कारण स्थानीय लोगों को डर है कि आगे और संघर्ष भड़क सकता है। चूंकि अंतर-राज्यीय सीमा विवाद फिर से भड़क उठा है, इसलिए किसान राज्य सरकारों और सर्वोच्च न्यायालय से तत्काल हस्तक्षेप करने तथा इस भूमि पर पीढ़ियों से रहने और काम करने वाले लोगों को स्पष्टता, न्याय और सुरक्षा प्रदान करने की मांग कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने देश को ...

स्थानीय किसानों को बाजार तक पहुंचने में मदद करेंगी और चमड़ा व लघु उद्योगों को बढ़ावा देंगी। इस पंबन ब्रिज का सांस्कृतिक महत्व भी है। रामायण के अनुसार, भगवान राम की सेना ने राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के नजदीक धनुषकोडी से शुरू किया था। नया पंबन रेलवे ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ता है और यह वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि है। इसकी लागत 550 करोड़ रुपये से अधिक है। यह ब्रिज 2.08 किलोमीटर लंबा है। इसमें 99 स्पैन (खंभों के बीच की दूरी) हैं और इसका लिफ्टिंग हिस्सा 72.5 मीटर लंबा है, जो 17 मीटर ऊंचाई तक उठ सकता है। इससे बड़े जहाज आसानी से गुजर सकते हैं और ट्रेन सेवा भी बिना बाधा जारी रह सकती है। पहला पंबन ब्रिज 1914 में ब्रिटिश इंजीनियरों ने बनाया था। यह एक कैंटिलीवर (धातु या लकड़ी का एक लंबा टुकड़ा जो पुल के अंत को सहारा देने के लिए दीवार से बाहर निकलता है) डिजाइन का ब्रिज था। इसमें एक शेरजर रोलिंग लिफ्ट हिस्सा था। यह समुद्र में खुलकर जहाजों को रास्ता देता था। एक सदी से अधिक वक्त तक यह ब्रिज तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और व्यापारियों के लिए जीवनरेखा की तरह काम करता रहा। लेकिन समुद्री माहौल से नुकसान और बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए सरकार ने फरवरी 2019 में नए तकनीकी और मजबूत पंबन ब्रिज के निर्माण की मंजूरी दी। नए पंबन ब्रिज का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने किया है। यह रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न कंपनी है। ब्रिज निर्माण के दौरान पर्यावरणीय प्रतिबंध, समुद्र की तेज लहरें, तेज हवाएं और खराब मौसम जैसी कई चुनौतियां आईं। यह इलाका चक्रवात और भूकंप के लिए संवेदनशील है, इसलिए इंजीनियरों ने बहुत सोच-समझकर मजबूत डिजाइन तैयार किया।

जमीअत ने वक्फ ...

भारतीय संविधान पर सीधा हमला है। भारत का संविधान न सिर्फ सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, बल्कि पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता भी प्रदान करता है। यह कानून मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनने की साजिश है, जो पूरी तरह संविधान के खिलाफ है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि अगर यह बिल कानून बन गया तो हम इसे देश की सर्वोच्च अदालत में चुनौती देंगे। इसलिए राष्ट्रपति की मुहर लगते ही जमीअत ने आज इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर दी है। उन्होंने कहा कि जमीअत की राज्य इकाइयां भी इस कानून के खिलाफ संबंधित राज्यों के हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करेंगी। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि इस असंवैधानिक कानून पर भी हमें न्याय मिलेगा। तथाकथित सेक्युलर दलों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस कानून को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन खुद को सेक्युलर कहने वाली पार्टियों ने न सिर्फ मुसलमानों के हितों का सौदा किया, बल्कि संविधान को भी अपने पैरों तले कुचल डाला और अपने असली चेहरे को पूरे देश के सामने उजागर कर दिया। मौलाना ने उन सभी सेक्युलर सांसदों का शुक्रिया अदा किया, जो देर रात तक संसद में डटे रहे और इस कानून के संभावित दुष्परिणामों को अपने भाषणों के जरिए उजागर किया। साथ ही उन्होंने उन न्यायप्रिय नागरिकों का भी आभार प्रकट किया, जो संसद के बाहर इस कानून के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे। उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि आज भी देश में ऐसे लोग मौजूद हैं जिनमें अन्याय के खिलाफ बोलने का साहस और जज्बा है। यह कानून केवल धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि यह कानून मुसलमानों की भलाई के नाम पर लाया गया है, लेकिन वास्तव में यह उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर हमला है। वक्फ संशोधन कानून की विभिन्न धाराओं को न केवल चुनौती दी है, बल्कि इस कानून के लागू होने को रोकने के लिए अदालत से अंतरिम राहत (इंटरिम ऑर्डर) की भी अपील की है। यह याचिका संशोधन अधिनियम की धारा 1(2) के तहत दाखिल की गई है। एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड फुजैल अय्यूबी ने यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है।

भाजपा नेता की ...

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, घटना जिले के बखरी थाना क्षेत्र के बखरी नगर परिषद वार्ड 23 की है। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता की पुत्री बीती रात अपने घर में सोई हुई थी। इसी दौरान किसी अज्ञात अपराधी ने खिड़की से युवती के ऊपर एसिड से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। एसिड अटैक के बाद लड़की ने चिल्लाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनकर परिजन तुरंत लड़की के पास पहुंचे। लेकिन तब तक आरोपी मौके पर फरार हो चुका था। आनन-फानन में परिजनों ने उसे बखरी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के द्वारा इस घटना की सूचना बखरी थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर बखरी थाने की पुलिस एवं बखरी डीएसपी कुंदन कुमार मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। इस घटना के संबंध में पीड़िता के पिता संजय सिंह राठौड़ ने बताया है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन इसके बावजूद भी अपराधियों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है।

ब्रह्मपुत्र की धारा पर शिकंजा कसने की साजिश

ब्रह्मपुत्र की धारा पर शिकंजा कसने की साजिश, बहाव को मोड़कर भारत को घुटनों पर लानेकी चाल

गुवाहाटी। चीन के डेवलपमेंटल प्रोजेक्ट्स अकसर किसी ना किसी के लिए खतरेकी वजह बनतेहैं। ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध बनानेकी चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना, दक्षिण एशिया के जियो-पॉलिटिक्स पर गंभीर असर डाल सकती है। येप्रोजेक्ट सिर्फ चीन की टेक्नोलॉजी के चमत्कार की बात नहीं है, बल्कि इस हाईड्रोपावर प्रोजेक्ट सेभारत के सामनेगंभीर संकट खड़ा होने की आशंका है। चीन नेब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा डैम बनानेकी योजना पर काम तेज कर दिया है। यह परियोजना तिब्बत के मेडोग काउंटी में यारलुंग त्सांगपो नदी पर बनाई जा रही है, जो भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम सेजानी जाती है। चीन इस डैम को 70 गीगावॉट उत्पादन क्षमता के साथ बना रहा है और येबांध, दुनिया के सबसे बड़े श्री गोरजेस डैम से भी कहीं ज्यादा क्षमता वाला होगा। लेकिन इस डैम का मकसद सिर्फ ऊर्जा उत्पादन नहीं है, बल्कि इसके पीछे चीन की रणनीतिक चालेंभी छिपी हैं, जिसका गंभीर असर भारत पर पड़ेगा। पाकिस्तान इस बांध को अपनेजियो-पॉलिटिकल वजहों से एक रणनीतिक लाभ के

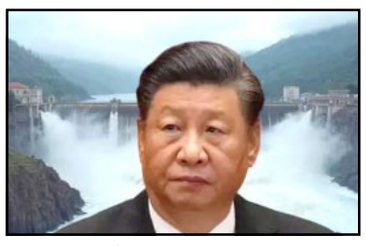

रूप में देखता है, जबकि भारत इसे अपनी जल सुरक्षा, सीमा स्थिरता और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक बहुत बड़ा खतरा मानता है। जब चीन नेहाल ही में बांध योजना प्रोजेक्ट की घोषणा की थी, तो भारत ने जवाब दिया था कि वह *अपने हितों की रक्षा करेगा।* तिब्बत में यारलुंग त्संगपो के नाम सेजानी जानेवाली ब्रह्मपुत्र नदी कैलाश पर्वत के पास सेनिकलती है और बंगाल की खाड़ी में गंगा में मिलनेसे पहलेचीन, भारत और बांग्लादेश सेहोकर गुजर गु ती है। नदी की बहाव खास तौर से तिब्बत में *ग्रेट बेंड* पर, जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं प्रदान करती है। भारत में ब्रह्मपुत्र नदी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए जीवनरेखा है, खासकर अरुणाचल प्रदेश और असम जैसेराज्यों के लिए। इस मेगा डैम के बननेसेचीन के पास नदी के प्रवाह को कंट्रोल करनेकी ताकत आ जाए यानी मानसून के मौसम में अगर चीन पानी रोक लेतो पूर्वोत्तत भारत में सूखा पड़ सकता है और बारिश के मौसम में अगर चीन अतिरिक्त पानी छोड़ दे, तो विनाशकारी बाढ़ आनेका खतरा बढ़ जाएगा। इसका मतलब येहुआ कि चीन ब्रह्मपुत्र के पानी को एक हथियार की तरह भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकता है। एशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने इस प्रोजेक्ट को बीआरआई का हिस्सा बताते हुए इसे पर्यावरण के अनुकूल बताया है, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना हैकि यह परियोजना भारत को घेरनेकी उसकी *स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स* नीति का अगला चरण है। यह डैम भारत की रणनीतिक स्थिति को कमजोर करनेका एक जरिया बन सकता है, क्योंकि ब्रह्मपुत्र के जल संसाधनों पर अब चीन का नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके अलावा, डैम के आसपास चीनी सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो सकता है, जिससे एलएसी पर तनाव और बढ़ेगा। चीन अगर इस डैम का निर्माण कर लेता तो सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरेहिमालयी क्षेत्र के इको-सिस्टम पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। डैम के बनने से ब्रह्मपुत्र नदी का जलचक्र, मत्स्य पालन, और कृषि सब कुछ डगमगा सकता है। एशिया टाइम्स के मुताबिक एक्सपर्ट्स का मानना हैकि डैम के निर्माण सेहिमालयी भूकंप-प्रवण क्षेत्र में भूस्खलन और भूकंप के खतरेभी बढ़ेंगे। साथ ही, गाद और पोषक तत्वों की आपूर्ति में कमी सेब्रह्मपुत्र घाटी की उपजाऊ भूमि पर भी गंभीर असर पड़ेगा। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई है और डैम के निर्माण से पड़ने वाले असर को जाननेके लिए एक्सपर्ट्स ने स्टडी भी शुरू कर दी है। एक्सपर्ट्स का मानना हैकि भारत को अब दोतरफा नीति अपनानी होगी। पहला कूटनीतिक स्तर पर चीन के साथ संवाद और विरोध करना होगा, दूसरी तरफ पूर्वोत्तर राज्यों में अपनेडैम प्रोजेक्ट्स को तेजी से बढ़ावा देना होगा, ताकि जल-प्रवाह पर अपना नियंत्रण मजबूत किया जाए। साथ ही, भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस डैम के पर्यावरणीय प्रभावों को उठाकर चीन पर दबाव बनाना होगा।

फैंसी बाजार में मनाया गया रामोत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की गुवाहाटी महानगर समिति के सहयोग से तथा विहिप फैंसी बाजार प्रखंड ने रविवार को गुरु सनातन सन्मार्ग के तहत रामोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. कृष्ण नारायण प्रसाद *मागध* की रचित *माधव देव: व्यक्तित्व और कृतित्व* पुस्तक के असमिया भाषा में अनुवादित संस्करण का विमोचन भी किया गया। गुवाहाटी के फैंसी बाजार स्थित सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित रामोत्सव में माजुली स्थित श्रीश्री आउनीआटि सत्र के सत्राधिकार डॉ. पीतांबरदेव गोस्वामी ने भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही श्रीमंत शंकरदेव एवं श्रीमंत माधव देव के आदर्श एवं उनकी रचनाओं को मानव जीवन के लिए प्रेरणादायी बताया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं भजन-कीर्तन, गणेश वंदना के साथ हुआ। इस दौरान हिंदू जनसंख्या को लेकर भी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में गुवाहाटी महानगर विहिप इकाई के अध्यक्ष एवं श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के सेवानिवृत्त सचिव सबीन राजखोवा शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पीतांबरदेव गोस्वामी ने *माधव देव: व्यक्तित्व और कृतित्व* पुस्तक के असमिया भाषा में अनुवादित संस्करण का विमोचन किया। इस मौके पर उत्तर गुवाहाटी महानगर विहिप के अध्यक्ष परमेश दत्त, फैंसी बाजार विहिप प्रखंड के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत धिंग मजुममदार, वृहत्तर फैंसी बाजार साहित्य सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर हरलालका, पुस्तक अनुवादक एवं असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी के मंत्री क्षीरदा कुमार सैकिया, फैंसी बाजार विहिप प्रखंड के संरक्षक प्रमोद कुमार चौधरी आदि उपस्थित थे।

भाजपा स्थापना दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने फहराया ध्वज

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित असम प्रदेश भाजपा कार्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन पर रविवार को प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने भाजपा का झंडा फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, राज्य सरकार के मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, विधायक एवं बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद थे।

असम अभियोजन निदेशालय और बंगाईगांव पुलिस ने संगोष्ठी आयोजित की

बंगाईगांव (हिंस)। असम अभियोजन निदेशालय ने बंगाईगांव पुलिस के सहयोग से रविवार को पुलिस कन्वेंशन सेंटर, बंगाईगांव में *प्रभावी पुलिसिंग और न्यायिक परिणामों के लिए एकीकृत अभियोजन की ओर* विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और अभियोजन अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था, जिससे कानून व्यवस्था और न्याय प्रक्रिया में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान असम के अभियोजन निदेशक माखन फूकन ने दो तकनीकी सत्रों का संचालन किया। पहला सत्र *बीएनएसएस 2023 के तहत गिरफ्तारी प्रक्रिया* पर और दूसरा *पुलिस के लिए न्यायिक दिशानिर्देश* विषय पर केंद्रित था। इन सत्रों में 9 जिलों के लोक अभियोजक, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त एसपी, थाना प्रभारी और जांच अधिकारी उपस्थित रहे। दिन का समापन अभियोजन उप निदेशक धनेश दास द्वारा *मुकदमे की प्रक्रिया* पर एक सत्र के साथ हुआ। इसके बाद उप निदेशक (अभियोजन) मानस हालोई ने भविष्य की रणनीति पर अपने विचार रखे और मुख्यमंत्री की एसवीसी, असम के सहायक विशेष लोक अभियोजक विकास जाम्मार ने धन्यवाद् प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

नगालैंड : भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ न लगाने की अपील

जनजातीय मुखिया बोले, दो देशों में बंटा है मेरा घर

नई दिल्ली/कोहिमा। भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्रीय सरकार के फैसले को नगालैंड के मोन जिले के जनजातीय मुखिया ने रद्द करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने *फ्री मूवमेंट रीजीम* क्षेत्र को कम करने के फैसले को तुरंत रद्द करने की अपील की है। नगालैंड के मोन जिले के एक नगा जनजातीय मुखिया ने केंद्रीय सरकार से भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ (फेंसिंग) लगाने और *फ्री मूवमेंट रीजीम* (एफएमआर) क्षेत्र को कम करने के फैसले को तुरंत रद्द करने की अपील की है। टोन्येई फावांग, जो कि अंग (राजा) के 10वीं पीढ़ी के मुखिया हैं, ने कहा कि मोन जिले के दोनों ओर रहने वाले लोग कोन्याक नगा जनजाति से हैं और वे आपस में बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। उनके परिवार और रिश्तेदार दोनों देशों में बसे हुए हैं, और उनका रोजमर्रा का जीवन एक-दूसरे पर निर्भर करता है। अंग टोन्येई फावांग ने कहा कि हम भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ नहीं चाहते। हमारे बीच खून का रिश्ता है, न कि सीमाएं। उन्होंने बताया कि उनके अधीन कुल 35 गांव हैं, जिनमें से 30 गांव म्यांमार में और 5 भारत में स्थित हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उनका खुद का घर भी भारत और म्यांमार के बीच बंटा हुआ है। उन्होंने बताया कि मेरा पारंपरिक घर जो सैकड़ों साल पहले बना था, 2016 में दोबारा पक्का बनाया

गया, लेकिन वो घर अब आधा भारत में है और आधा म्यांमार में । मतलब, घर के एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने पर देश बदल जाता है। अंग फावांग ने सवाल उठाया कि अगर सीमा पर बाड़ लगा दी गई और एफएमआर को कम कर दिया गया, तो क्या उनके परिवार को अपने ही घर में आने-जाने के लिए पास बनवाना पड़ेगा? उन्होंने कहा कि ये बहुत ही अन्यायपूर्ण होगा। कोन्याक नगा जनजाति के लोग सीमा पार एक-दूसरे के यहां आना-जाना करते हैं। म्यांमार की ओर के गांवों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारत की ओर आते हैं। उनके बच्चों की पढ़ाई भी भारत के मोन जिले के स्कूलों में होती है, क्योंकि म्यांमार की तरफ ज्यादा सुविधाएं नहीं हैं। केंद्रीय सरकार ने हाल ही में *फ्री मूवमेंट रीजीम* (एफएमआर) क्षेत्र को 16 किलोमीटर से घटाकर 10 किलोमीटर करने का प्रस्ताव दिया है। लेकिन अंग फावांग का कहना है कि यह निर्णय जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज करता है। उन्होंने सुझाव दिया कि एफएमआर को कम करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए ताकि कोन्याक नगा लोग सीमा के दोनों ओर आसानी से आ-जा सकें। अंग फावांग ने सीमा पर तैनात असम राइफल्स के जवानों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वे न सिर्फ सुरक्षा का काम करते हैं, बल्कि गांव वालों की मदद भी करते हैं-जैसे मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और दवाइयां देना। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक सीमा पर दोनों तरफ के लोगों के बीच कोई विवाद या हिंसा नहीं हुई है। सभी शांतिपूर्वक रहते हैं और सदियों पुराने रिश्तों को कायम रखे हुए हैं। बता दें कि, नगालैंड सरकार भी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को सीमित करने के फैसले के खिलाफ है। राज्य सरकार का भी मानना है कि यह फैसला स्थानीय लोगों की भावनाओं और जीवनशैली को ठेस पहुंचाएगा। अंग टोन्येई फावांग ने दो टूक कहा कि हम किसी भी हालत में सीमा पर बाड़ नहीं चाहते। उन्होंने केंद्रीय सरकार से अपील की कि वो जमीनी हकीकत को समझे और ऐसा कोई भी निर्णय न ले जो लोगों को उनके अपनों से अलग कर दे।

राम जन्मोत्सव समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य आज श्री श्री माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय ऑडिटोरियम में आयोजित राम जन्मोत्सव समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन लुइत-जिस्ट कम्युनिकेशन एंड एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा किया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि राम जन्मोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह वह अवसर है जब हमें भगवान राम के जीवन मूल्यों-त्याग, धर्म, सत्य और कर्तव्य को आत्मसात करने और उनका अनुसरण करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस पावन भूमि की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह सिर्फ मां कामाख्या की धरती ही नहीं, बल्कि श्रीमंत शंकरदेव और श्री श्री माधवदेव जैसे महान संतों की शिक्षाओं से भी समृद्ध है। उन्होंने बताया कि 14वीं सदी के कवि माधव कांदली ने वाल्मीकि रामायण का पहला असमिया अनुवाद *सप्तकांड रामायण* के रूप में किया था, जो राज्य की समृद्ध रामकथा परंपरा को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि भगवान राम केवल एक ऐतिहासिक पात्र नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतीक हैं। उनका जीवन दिखाता है कि कैसे व्यक्ति कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा और अनुशासन के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का पालन कर सकता है। उन्होंने युवाओं को भगवान राम से प्रेरणा लेने की अपील करते हुए कहा कि आज के चुनौतीपूर्ण समय में संयम, समर्पण और नैतिकता के आदर्शों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों के समन्वय पर बल देते हुए कहा कि यही भारत को सशक्त, समृद्ध और उन्नत राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सच्ची रामभक्ति सेवा, नारी सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और समाज कल्याण के कार्यों के माध्यम से ही व्यक्त होती है। उन्होंने भारतीय मूल्यों-सत्य, अहिंसा, करुणा और मानवता-का उल्लेख करते हुए कहा कि ये वे आदर्श हैं जो वेदों, उपनिषदों, गीता और रामायण जैसे ग्रंथों में निहित हैं और यही कारण है कि भारत ने हमेशा *वसुधैव कुटुंबकम* और *सर्व धर्म समभाव* का संदेश दिया है। *नए भारत* की ओर अग्रसर होते देश पर भरोसा जताते हुए आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित हुई है।

लंका और गुवाहाटी के ठाकुरबाड़ी में धूमधाम से मनी रामनवमी

गुवाहाटी/होजाई (विभास/निसं)। फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड स्थित सीताराम ठाकुर बाड़ी में राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर को रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। दोपहर के 12 बजते ही शंख, घड़ियाल और घंटे की आवाज के साथ भए प्रकट कृपाला दीन दयाला की स्तुति गूंजने लगी। इस अवसर पर मंदिर के महंत राजेन दास ने कहा कि राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज दोपहर विशेष पूजा और आरती की गई तथा भक्तों को राम जन्मोत्सव का विशेष प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें असंख्य भक्तों ने भाग लिया। दोपहर को पंडित कामेश्वर ने भगवान की आरती उतार कर प्रसाद का भोग लगाया। मंदिर जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार श्री रामनवमी के पावन अवसर पर लंका स्थित श्री राम मंदिर प्रांगण में श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना कर भोग लगाते

दिखे। दोपहर 12-30 बजे पंडित विष्णु शास्त्री ने भगवान श्री राम दरबार की आरती की एवं प्रसाद लगाकर उपस्थित भक्तों को प्रसाद एवं आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर श्री मारवाड़ी पंचायत, लंका के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बाबूलाल प्रजापत, तनसुख अग्रवाल, ओम मोदी, श्रीमती बिना गोलागं, श्रीमती ममता शर्मा एवं अनेकों भक्तों ने इस अवसर पर भक्ति भाव से पूजा अर्चना में भाग लिया। वहीं, लंका बजरंग दल ने लंका हाईस्कूल खेल मैदान में धूमधाम से रामनवमी उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया व धर्म सभा का आयोजन किया। दूसरी तरफ होजाई में रामनवमी का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रात: से ही लोग अपने घरों में एवं प्रतिष्ठानों में रामनवमी की पूजा-अर्चना विद्वान पंडितों से करवा कर सुख, शांति व समृद्धि का ईश्वर से कामना की।

भाजपा के 46वें स्थापना दिवस पर गुवाहाटी में कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के हेंगेराबाड़ी स्थित गुवाहाटी महानगर जिला कार्यालय में पार्टी का 46वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास ने पार्टी ध्वज फहराकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए एक विशेष दिन है, क्योंकि 1980 में ठीक इसी दिन देश के पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के सशक्त नेतृत्व में राष्ट्रचेतना को जागृत करने के संकल्प के साथ पार्टी की नींव रखी गई थी। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से उबरकर आज हम सभी कार्यकर्ता पार्टी की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। इसलिए हमें निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि पार्टी द्वारा दिए गए प्रत्येक दायित्व को हम पूरी जिम्मेदारी से निभाएंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा गुवाहाटी महानगर जिला के अंतर्गत आने वाले 8 मोर्चों की संयुक्त पहल से *मोर्चा मिलन* कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

शिक्षा के प्रति सारथी करियर गाइडेंस कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। आज के समय में शिक्षा के प्रति हर छात्र तथा माता-पिता विशेष जागरूक है। पर उच्च शिक्षा के लिए विषय का चुनाव करना एक बड़ी चुनौती बन गया है, कारण हर क्षेत्र में ढेरों विषय तथा अनेकों कोर्स हैं। इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी महिला समिति, गुवाहाटी (अंतर्गत : माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी) के तत्वावधान में विशिष्ट वक्ताओं सीएस तृप्ति बिहानी व अंतर्राष्ट्रीय करियर कोच दिनेश लाहोटी द्वारा *सारथी* करियर गाइडेंस कार्यशाला आयोजित की गई जो विशेष रूप से उन बच्चों के लिए थी जो शिक्षा के क्षेत्र में विषय चयन को लेकर असमंजस में है। संयोजक पार्वती बिड़ला ने कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी। तत्पश्चात अध्यक्ष बर्षा सोमानी स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यशाला की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सह संयोजक मधुलिका चंडक ने वक्ताओं का

परिचय पाठ किया। सचिव पुष्पा सोनी ने संचालन के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया। लगभग सवा सौ से अधिक की संख्या में छात्रों व अभिभावकों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि यह कार्यशाला कितनी महत्वपूर्ण थी। कक्षा आठवीं से ऊपर के लिए आयोजित इस कार्यशाला में बच्चों ने अपनी कई जिज्ञासाएं भी रखीं जिनका समाधान वक्ताओं ने बहुत सटीक रूप से किया। वाणिज्य, विज्ञान व आर्ट्स से संबंधित हर विषय तथा कोर्स के बारे में बारीकी से बताया गया जिससे बच्चों को अपने पसंद की राह चुनने में आसानी हो। कार्यक्रम में सभा सह-सचिव नितिन माहेश्वरी, निवर्तमान अध्यक्ष सरला लाहोटी तथा कार्यकारिणी सदस्य मंजू बागड़ी, संगीता पेड़ीवाल, बबीता काबरा, शोभा लढ़ा, रीता साबू, शोभना लढ़ा, रिंकू काबरा आदि की उपस्थिति रही। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। सोनाली बिड़ला का कार्यक्रम संपादित करने में विशेष सहयोग रहा। दसवीं तथा बारहवीं के बच्चों ने इस मार्गदर्शन का भरपूर लाभ उठाया तथा आगे भी इस प्रकार के शिक्षापयोगी कार्यक्रम करते रहने का आग्रह किया।

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय ने स्वदेशी ज्ञान पर संगोष्ठी का आयोजन किया

गुवाहाटी/कोकराझाड़। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय ने 5 अप्रैल, 2025 को *स्वदेशी ज्ञान का संरक्षण और संवर्धन: लोगों को जोड़ना-पूर्वोत्तर भारत में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का पुनरोद्धार* शीर्षक से एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) द्वारा प्रायोजित था और इसमें पूर्वोत्तर भारत और भूटान के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएल आहूजा ने किया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता भी की। इस कार्यक्रम में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को मुख्यधारा के विकासात्मक और शैक्षिक ढांचों में दस्तावेजित, संरक्षित और एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसमें स्थिरता, सांस्कृतिक एकीकरण और सामुदायिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। भूटान से आए विशिष्ट प्रतिभागियों में भूटान-भारत मैत्री संघ के महासचिव श्री दावा पेनजोर, भूटान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड

इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष श्री कमल प्रधान तथा एलायंस इंटरनेशनल ट्रैवल्स की प्रबंध निदेशक सुश्री कमला नेपाल शामिल थे। प्रमुख भारतीय प्रतिनिधियों में मिजोरम के मुख्यमंत्री की पर्यटन निदेशक एवं ओएसडी सुश्री आर. लालरोडिंगी, कला एवं संस्कृति निदेशक सुश्री अदेला मोआ, एनईसी के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सौमित्र मिश्रा, इग्नू, कोलकाता की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुजाता दत्ता हजारिका तथा बीटीसी के पर्यटन विभाग की सचिव सुश्री पामी ब्रह्मा आदि शामिल थे। अपने मुख्य भाषण में सामाजिक कार्यकर्ता और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के महासचिव श्री राजू नार्जारी ने प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र की व्याख्या करने और टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने में स्वदेशी ज्ञान की असाधारण प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसके दस्तावेजीकरण और दैनिक जीवन में व्यावहारिक एकीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय की एक बहु-विषयक टीम ने अकादमिक पाठ्यक्रम और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में स्वदेशी ज्ञान को शामिल करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया। टीम ने स्वदेशी ज्ञान धारकों की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने के लिए अभिनव मॉडल प्रस्तावित किए। इसके अतिरिक्त, गुवाहाटी के बी. बोरूआ कॉलेज के डॉ. अमर दीप सोरेन ने पारंपरिक चिकित्सा के महत्व और स्वदेशी ज्ञान में इसकी जड़ों पर एक आकर्षक व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के दौरान जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई, उनमें पारिस्थितिकी स्थिरता, सांस्कृतिक संरक्षण, पारिस्थितिकी पर्यटन और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण शामिल थे। समापन सत्र में, सुश्री आर, लालरोडिंगी और बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. बिरफंग नार्जारी ने संयुक्त रूप से स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की स्थायी विरासत को सुनिश्चित करने के लिए संस्थानों, सरकारी निकायों और समुदायों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया।

संपादकीय

न्यायाधीशों की संपत्ति

ऐसे वक्त में जब न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की मांग सार्वजनिक विमर्श में है, सुप्रीम कोर्ट के सभी वर्तमान न्यायाधीशों के द्वारा न्यायालय की वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करके अपनी संपत्ति का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने पर सहमति व्यक्त करना सुखद ही है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे। यहां ये उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी कि ये घोषणाएं स्वैच्छिक और गोपनीय रहेंगी। लेकिन साथ ही सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा भी रहा कि जनता भी इन जानकारियों को जानने की इच्छुक रहती है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखा गया। लेकिन सूचना के अधिकार अधिनियम के एक प्रावधान में व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक करने में छूट दी गई थी। तर्क दिया गया था कि जब तक व्यापक सार्वजनिक हित में जरूरी न हो, प्रकटीकरण में छूट दी जाए। दरअसल, इन प्रावधानों से न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणाओं की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के लिए एक अवरोध पैदा हुआ। यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की अनुमति देते हुए कहा था कि सूर्य का प्रकाश वास्तव में सबसे अच्छा कीटाणुनाशक है। इस वक्तव्य के आलोक में न्यायाधीशों को भी अपनी संपत्ति के बारे में वास्तविक जानकारी सार्वजनिक परिदृश्य में रखने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अन्यथा तथ्यों की परदादारी जनमानस के मन में कतिपय संशयों को भी जन्म दे सकती है। न्यायिक परिदृश्य में पारदर्शिता उजागर करने में विधायिका की सक्रिय भूमिका भी वक्त की मांग है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यह सुखद होगा कि यदि ऐसी कोई पहल स्वयं न्यायपालिका की तरफ से होती है। न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता व व्यावसायिक शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने पंच परमेश्वरों को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है।

निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। दरअसल, यह कदम न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग में नोटों का जखीरा जलने के समाचार प्रकाश में आने के कुछ समय बाद उठाया गया है। उल्लेखनीय है घटना के समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। निश्चय ही इस घटनाक्रम से समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। जनता हमेशा से ही पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा रखती है। दरअसल, न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति के खुलासे का मुद्दा दशकों तक सार्वजनिक विमर्श में उठता रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार उसके सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी थी। इसी प्रकार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को ये विवरण उनके राज्य के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष पेश करने थे।

13,056 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर चिंताजनक इसलिए भी है क्यों कि आज हम लगातार ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से जूझ रहे

चिंताजनक है वनों पर अतिक्रमण

सुनील कुमार महला

देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,056 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, जो दिल्ली के कुल क्षेत्रफल से भी अधिक है, यह चिंताजनक है। जानकारी मिलती है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 5,460 .9 वर्ग किमी वन भूमि पर कब्जा है, जबकि 409 वर्ग किमी भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई रिपोर्ट कहीं न कहीं देश में वनों के अतिक्रमण की भयावह स्थिति को उजागर करती है

वन क्षेत्र संकट में हैं। इन पर अतिक्रमण हो रहा है, यह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,056 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हुआ है, जो दिल्ली के कुल क्षेत्रफल से भी अधिक है, यह चिंताजनक है। जानकारी मिलती है कि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 5,460.9 वर्ग किमी वन भूमि पर कब्जा है, जबकि 409 वर्ग किमी भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई रिपोर्ट कहीं न कहीं देश में वनों के अतिक्रमण की भयावह स्थिति को उजागर करती है। ऐसे में, सरकारों का इस मुद्दे पर गंभीर होना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि हम भी पर्यावरण के प्रति जागरूक बनें। 13,056 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर चिंताजनक इसलिए भी है क्यों कि आज हम लगातार ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह इतना बड़ा क्षेत्र है कि इतने में नौ दिल्ली (कुल क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किमी.) बसाई जा सकती हैं। यह जमीन दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल भौगोलिक क्षेत्र से भी अधिक है। रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। पाठकों को बताता चलूं कि अभी 10 राज्यों ने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। एनजीटी ने पिछले साल एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए यह बताया गया था कि देश में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किमी.) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जो दिल्ली के आकार की तुलना में पांच गुना अधिक है। हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि वन हैं तो हम हैं। कहना ग़लत नहीं होगा वन जहां प्रदूषण को नियंत्रित करने में अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं, वहीं दूसरी ओर वन वैश्विक जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं, ये वर्षा तथा सूखे को नियंत्रित करते हैं। वनों से भोजन, दवाइयां, विभिन्न उत्पाद, लकड़ी, गोंद तो प्राप्त होते ही हैं, वहीं साथ ही साथ ये कई जीवों के लिए प्राकृतिक आवास हैं तथा वनों से हमें रोज़गार भी मिलता है।ये मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करते हैं। इतना ही नहीं, वन समुदायों को भूस्खलन और बाढ़ से भी बचाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वन हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र का मुख्य आधार हैं, जो जैव-

विविधता को तो संरक्षित रखते ही हैं, जलवायु में आ रहे बदलावों से निपटने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और अनगिनत प्रजातियों को आश्रय भी देते हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में आई रिपोर्ट में जिन राज्यों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई है, उनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मध्यप्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं तथा जिन राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों ने अभी भी वन अतिक्रमण का विवरण प्रस्तुत नहीं किया है, उनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वन क्षेत्र या रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (आरएफए) में सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर वन के रूप में नामित भूमि शामिल होती है, भले ही उस पर पेड़ न हों। गौरतलब है कि आरएफए को क्रमशः तीन श्रेणियों आरक्षित वन(जिन्हें पूर्ण संरक्षण प्राप्त है और जहां शिकार और चराई जैसी गतिविधियों पर आमतौर पर प्रतिबंध है) संरक्षित वन(जहां कुछ गतिविधियों की अनुमति है, जब तक कि उन्हें विशेष रूप से प्रतिबंधित न किया गया हो) तथा अवर्गीकृत वन(जिन्हें आरक्षित या संरक्षित के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है) को शामिल किया गया है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 5,460.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। इसमें कहा गया है कि असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर, कर्नाटक में 863.08 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 575.54 वर्ग किलोमीटर, अरुणाचल प्रदेश में 534.9 वर्ग किलोमीटर, ओडिशा में 405.07 वर्ग किलोमीटर, उत्तर प्रदेश में 264.97 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 247.72 वर्ग किलोमीटर, झारखंड में 200.40 वर्ग किलोमीटर और छत्तीसगढ़ में 168.91 वर्ग किलोमीटर वन भूमि पर अतिक्रमण है। कहना चाहूंगा कि आज देश में वनों की अवैध और अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा है। पिछले कुछ सालों से देश के कृषि क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, इससे भी वन क्षेत्रों में कहीं न कहीं कमी आई है। शहरीकरण और औधोगिकीकरण से भी वन क्षेत्रों पर कहीं न कहीं प्रभाव पड़ा ही है। आज देश में खनन कार्य हो रहें हैं, बांध व सड़कें बनाई जा रही हैं। कहना चाहूंगा कि खनन और बुनियादी ढांचे के विकास के नाम पर जिस तेजी से वनों का दोहन बढ़ रहा है, वह वाकई चिंता का विषय है।सच तो यह है कि आज हम पर्यावरण संरक्षण पर उस अनुरूप ध्यान नहीं दे पा रहे हैं,जिस अनुरूप उस पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।सच तो यह है कि पर्यावरण पर ध्यान देने के लिए, हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाने होंगे। इसके लिए, हमें पर्यावरण के बारे में जागरूक होना होगा और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने यथेष्ठ व नायाब कदम उठाने होंगे और यह तभी संभव हो सकता है जब हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति कृतसंकल्पित हों। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम पर्यावरण संरक्षण को लेकर कहीं न कहीं लापरवाही बरत रहे हैं, जबकि हमें अपनी धरती के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति हमेशा सजग व जागरूक होना चाहिए। अन्यथा आने वाली पीढ़ियां हमें कोसेगी। संस्कृत में पेड़ों/वनों का महत्व बताते हुए खूबसूरत शब्दों में क्या खूब कहा गया है कि -'इह पुष्पिताः फलवन्तः च मानवान्‌तर्पयन्ति, वृक्षाः वृक्षदं पुत्रवत् परत्र च तारयन्ति।' इसका मतलब यह है कि फल और फूल देने वाले पेड़ मनुष्यों को तृप्त करते हैं, लेकिन आज हम वनों का अतिक्रमण कर रहे हैं,यह ठीक नहीं है। हाल फिलहाल,चिंता इस बात को लेकर भी है कि बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत करीब दस राज्यों ने तो अभी वन अतिक्रमण क्षेत्र की जानकारी तक नहीं उपलब्ध कराई है। जाहिर है कि इन राज्यों में वनों के अतिक्रमण के आंकड़े जुड़ने के बाद तो देश में वनों की स्थिति और भी अधिक भयावह हो सकती है।

दृष्टि कोण

अब भी संपूर्ण स्वास्थ्य की उम्मीद में दुनिया

स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य' के विभिन्न पहलुओं पर यदि ध्यान दें तो निश्चित ही नवजात शिशु एवं माताओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड एवं गांवों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचों को और मज़बूत करना होगा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय बनाना होगा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को और जवाबदेह बनाना होगा। सभी सरकारों को अपना स्वास्थ्य बजट सम्मानजनक तरीके से जीडीपी के अनुसार बढ़ाना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि समुचित पोषण और दवा के अभाव में कोई भी शिशु या गर्भवती मां अथवा व्यक्ति की असमय मृत्यु न हो। स्वास्थ्य और उपचार की सर्वसुलभता सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा। आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगीरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनायी थी जिसके अंतर्गत विभिन्न रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन लंबे समय से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' का संचालन भी किया जा रहा है, इन सबके बावजूद जनस्वास्थ्य को हम सही दिशा नहीं दे पा रहे हैं। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं तथा नवजात शिशुओं और बच्चों की रुग्णता व मृत्यु दर को कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। वर्ष 2025 के स्वास्थ्य लक्ष्य की घोषणा करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ही गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन चाहता है कि दुनिया भर में नवजात शिशुओं और माताओं का स्वास्थ्य बेहतर हो ताकि भविष्य की आबादी में स्वस्थ लोगों की अच्छी संख्या हो। हम जानते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति समाज और सरकारें सदैव दोयम दर्जे की दृष्टि रखते हैं।

हालांकि, पश्चिमी देशों में महिलाओं की स्थिति काफ़ी बेहतर है लेकिन भारत एवं एशियाई देशों में महिलाओं को स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए पुरुषों की अपेक्षा ज़्यादा जद्दोजहद करनी पड़ती है। आज़ादी के बाद से अब तक भारत में दो बार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण हुए। इसमें केंद्र सरकार के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान ने भी हिस्सा लिया। सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित इन सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु के जन्म पर लगभग 540 माताओं की मृत्यु हो जाती है। भारत में औरतों की नाज़ुक सेहत की वजह जानने के लिए उनकी ज़िंदगी पर जन्म के बाद से ही नज़र दौड़ानी होगी। जानी मानी फ्रेंच लेखिका शिमोन द बौवार कहती हैं कि 'औरत की सेहत इसलिए ख़राब है क्योंकि वह स्त्री है।' हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आधुनिकीकरण एवं अन्य कई कारणों से भी कई पुराने रोग पुनः नए रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं। अनेक प्रयासों के बावजूद हम वर्षों पुराने मच्छर जनित रोग मलेरिया, डेंगू आदि से उबर नहीं पाए हैं। तथाकथित आधुनिक जीवनशैली के कई रोग जैसे डायबिटीज़ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, एड्स आदि बढ़ते ही जा रहे हैं। खान-पान की गड़बड़ी की वजह से पेट के कई घातक रोग बढ़ गए हैं। मानसिक रोगों की भी यही स्थिति है। बहुत ही कम उम्र के युवा और नौजवान अवसाद और अनिद्रा, तनाव आदि के शिकार हैं। युवाओं में घातक नशे का बढ़ता प्रचलन भी स्वास्थ्य की चुनौती के रूप में खड़ा है। सरकार और समुदाय यदि इस पर ध्यान नहीं देते तो स्थिति भयावह होगी। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि मानव स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर हमारी सरकारें क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठ कर व्यापक जनहित में कार्य करेंगी।

कुछ अलग

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा-निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे-कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं।

देश दुनीया से

मानवीय रचनात्मकता को एआई टूल्स की चुनौती

हालांकि जेनेरेटिव एआई टूल– जो इस सामग्री को बनाने में उपयोग किए जा रहे हैं – पिछले कुछ सालों से वजूद में हैं, लेकिन वर्तमान चलन की चिंगारी को ओपन एआई द्वारा विकसित एक नए टूल्स ने भड़काया है। चैट जीपीटी हो या बृहद भाषा मॉडल (लार्ज लैंग्वेज मॉडल अर्थात एलएलएम), ये टूल्स चंद शब्दों वाली निर्देशावली (टेक्स्ट) के आधार पर विस्तृत लेख, पुस्तक अध्याय, सोशल मीडिया पोस्ट इत्यादि वांछित सामग्री उत्पन्न कर देते हैं। नवीनतम मल्टीमॉडल जेनेरेटिव एआईटूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट, तस्वीर, वीडियो, आवाज और संगीत के नमूने का उपयोग करते हुए वांछित आउटपुट को चित्र और वीडियो के रूप में निर्मित करके दे सकते हैं। मिडजर्नी, स्टेबल डिफ्यूजन और डीएएलएल-ई जैसे टूल इनपुट के रूप में टेक्स्ट से सचित्र आउटपुट पैदा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई डीएएलएल-ईको एमएफ हुसैन या जैमिनी रॉय की शैली में दिल्ली की सड़क की पेंटिंग बनाने का निर्देश दे, तो वह कुछ सेकंड के भीतर बनाकर पेश कर देगा। 'लेंसा' जैसे इमेज-टू-इमेज टूल भी हैं जो इनपुट छवियों के बदले छवि या उसका सुधरा संस्करण प्रदान कर सकते हैं। घिबली शैली में उत्पन्न छवियों ने लोगों की कल्पना को इसलिए भी अपनी ओर खींचा है क्योंकि वे बहुत मासूम और मज़ेदार दिखती हैं। हालांकि, इस मासूमियत के तले टेक्स्ट और इमेज-जेनेरेटिव एआई सिस्टम से संबंधित गंभीर नैतिकता के मुद्दे छिपे हुए हैं। कोई भी एआई सिस्टम विभिन्न स्रोतों से एकत्र किए गए वास्तविक डाटा पर काम करता है। एआई टूल्स को प्रशिक्षित करने में भारी मात्रा में डाटा (टेक्स्ट, इमेज, संगीत इत्यादि) की जरूरत पड़ती है। यदि किसी एलएलएम को अमिताभ घोष या रस्किन बॉन्ड की शैली में एक छोटी-सी कहानी बनाने के लिए कहा जाए तो इसे वह इन लेखकों की तमाम रचना का भारी-

भरकम डाटा खंगालने के बाद उत्पन्न करता है। इस सामग्री का अधिकांश हिस्सा कॉपीराइट वाला होता है, और एआई कंपनियों ने अपने सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने के लिए लेखकों से इसके लिए समुचित अधिकार खरीदे नहीं होते। यही बात घिबली स्टूडियो सरीखी या हुसैन जैसे उस्तादों की पेंटिंग्स बनाने पर लागू है। एआई कंपनियां दावा करती हैं कि वे केवल सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डाटा का ही उपयोग कर रही हैं, लेकिन उनके इस दावे को सृजनकर्ता पचा नहीं पा रहे। कॉपीराइट कानूनों में अंतर्निहित 'उचित इस्तेमाल' प्रावधान का दुरुपयोग यह तकनीक बनाने वाली कंपनियां कर रही हैं। इस तरह के उल्लंघन से निपटने के लिए मौजूदा कॉपीराइट ढांचे अपर्याप्त हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अदालतों में तकनीक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले पहले से चल रहे हैं। दरअसल, जेनेरेटिव एआई रचनात्मकता के मूल विचार पर हमला कर रहा है। पेंटिंग हो या कोई किताब, कार्टून चरित्र या फिर संगीत का मुखड़ा, यह सब किसी कलाकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूप हैं। यह सभी सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो व्यक्तिगत अनुभव और संदर्भ से उत्पन्न हुए होते हैं। उदाहरण के लिए, घिबली स्टूडियो का काम जापानी समाज और संस्कृति का एक नमूना है, यह ठीक वैसा है जैसा कि वॉल्ट डिजनी स्टूडियो की रचनाएं अमेरिकी संस्कृति को दर्शाती हैं। ऐसे रचनात्मक कार्यों को किसी मशीन या एआई सिस्टम को बनाने के लिए सौंप देना मानवीय रचनात्मकता और जुनून के मूल विचार के विरुद्ध है। एक कलाकार को एक पेंटिंग पूरी करने में महीनों लग सकते हैं या एक लेखक को एक उपन्यास अथवा गैर-काल्पनिक किताब लिखने में कई साल लग सकते हैं। कार्टून या एनिमेशन स्ट्रिप बनाने में सैकड़ों घंटों की मेहनत खपती है। इसलिए, श्रेय और पैसा सृजनकारों का नैसर्गिक हक है। एआई कंपनियां वह करने में लगी हैं, जिसे आलोचक डाटा-चोरी कहते हैं और यह करके वे सृजनकर्ता के श्रेय और पैसा, दोनों पर डाका डाल रही हैं। प्रत्येक नए जेनेरेटिव मॉडल बनने के साथ– जो सृजनकर्ताओं के अनगिनत काम और मेहनत पर आधारित होता है– एआई कंपनियों की दौलत में खरबों डॉलर का इजाफा हो जाता है। वे इन मॉडलों को प्रति संस्करण हज़ारों डॉलर मूल्य में दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को बेच रही हैं, जबकि मूल सृजनकर्ता के पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इमेज जेनेरेटर खुद कलाकार नहीं हैं, लेकिन कलाकारों के लिए एक चुनौती हैं। एआई टूल के मुफ़्त संस्करणों के उपयोग से निर्मित छवियों के साथ डिजिटल दुनिया में मची रेलमपेल, जैसा कि घिबली कला के मामले में हुआ पड़ा है, प्रौद्योगिकी कंपनियां ऐसी मशीन-जेनेरेटेड कला को सामान्य बनाना चाहती हैं। व्यावसायिक फिल्म स्टूडियो और नेटवर्क उन्हें सिर्फ श्रम लागत बचाने की गर्ज से अपना रहे हैं। वे एनिमेटरों की फौज को काम पर रखने की बजाय एआई तकनीक में पारंगत चंद लोगों से काम चलाने लगी हैं। इस प्रवृत्ति से भारत में भी खतरे की घंटी बज जानी चाहिए, क्योंकि हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ हॉलीवुड स्टूडियो के लिए आउटसोर्स ठेके पर एनिमेशन कार्य में लगे हुए हैं। हालांकि, वे भी कंप्यूटर ग्राफिक्स और अन्य टूल्स का उपयोग करते हैं। लेकिन जेनेरेटिव एआईटूल स्वचालित होने की वजह से सब कुछ बनाना किसी दूसरे ही स्तर पर पहुंच चुका है। इस समस्या का हल आसान नहीं है। कॉपीराइट को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ना विकल्पों में से एक हो सकता है। डाटा सुरक्षा कानून और एआई नियंत्रक धाराओं को हर नए विकास के साथ सामंजस्य बिठाने में खपना पड़ रहा है। किताबों और संगीत जैसे रचनात्मक कार्यों के कुछ प्रकाशक एवं कॉपीराइट धारक एआई कंपनियों के साथ औपचारिक समझौते करने में लगे हैं ताकि एआई सिस्टम को 'प्रशिक्षित' करने में उनकी किताबों और अन्य काम का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के एवज में राजस्व-साझाकरण सुनिश्चित हो सके। उन्हें लगता है कि जब तकनीक बनाने वाली कंपनियां डाटा प्रशिक्षण के लिए उनके काम का उपयोग पहले ही बिना पूछे कर रही हैं, तो क्यों न इसे औपचारिक रूप दे दिया जाए और उनकी कमाई में हिस्सा बांट लिया जाए। डाटा प्रशिक्षण के लिए किसी के काम का इस्तेमाल करने की अनुमति आपसी सहमति से देना भी एक अन्य विकल्प है, खासकर जब मामला व्यक्तिगत कलाकारों के काम का हो। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों को भी उपयोगकर्ताओं को एआई-जनरेटेड छवियों, वीडियो और एनिमेशन बनाने की खुली छूट देने के प्रति अधिक संवेदनशील होना पड़ेगा। घिबली ट्रेंड हानिरहित और प्यारा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है।

आप का नजरीया

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा।

सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने शक्ति देने का काम किया : अमित शाह

108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री शाह

कोटपूतली-बहरोड़ (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि महाप्रभु आदिनाथ से लेकर उनके अनुयायियों तक, इस संप्रदाय ने सनातन धर्म को स्थायित्व और शक्ति दी है। नाथ परंपरा में धूनि को आत्मज्ञान प्राप्ति का साधन माना गया है, जो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश जैसे पंचतत्वों को संतुलित कर आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को राजस्थान के कोटपूतली में आयोजित 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल हुए। शाह ने महायज्ञ में महापूर्णाहुति दी और एक सनातन सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि बाबा बस्तीनाथ ने

समाज के सभी वर्गों को जोड़कर एक वर्ष तक यह आयोजन सतत रूप से संचालित किया, जो एक बड़ा और प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन की शुरुआत पिछले वर्ष रामनवमी पर हुई थी और इस वर्ष रामनवमी पर इसका समापन हुआ। पूरे वर्ष हर पांचवें दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग प्रकृति संरक्षण, सनातन धर्म के प्रचार और आत्मशुद्धि के उद्देश्य से यज्ञ में भाग लिया। शाह ने इस यज्ञ को अद्वितीय प्रयास बताया, जो धर्म, समाज और पर्यावरण को जोड़ता है। नाथ संप्रदाय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि महाप्रभु आदिनाथ से लेकर उनके अनुयायियों तक, इस संप्रदाय ने सनातन धर्म को स्थायित्व और शक्ति दी है। उन्होंने कहा कि नाथ परंपरा में धूनि को आत्मज्ञान प्राप्ति का साधन माना गया है, जो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश जैसे पंचतत्वों को संतुलित कर आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। उन्होंने बाबा बस्तीनाथ के पिछले 16 वर्ष से आश्रम में निरंतर यज्ञ आयोजन की परंपरा की सराहना की। बाबा बालनाथ की समाधि को ऊर्जा का केंद्र मानते हुए शाह ने कहा कि इस स्थान ने न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाया है, बल्कि बेसहारा और निराश लोगों को भी आशा और सहारा दिया। उन्होंने कहा कि बाबा बालनाथ जैसे महायोगियों ने इस भूमि पर जन्म लेकर न केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी 84 धूनियों की स्थापना की और धर्ममय जीवन का उदाहरण प्रस्तुत किया। अमित शाह ने कहा कि आज बाबा बस्तीनाथ अपने गुरु की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकधर्म, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में जुटे हैं। शाह ने कहा कि बाबा बस्तीनाथ ने अपने गुरु की तरह ही सेवा, तप, वैराग्य और धार्मिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाया है और समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल धार्मिक परंपराएं सशक्त होती हैं, बल्कि सामाजिक सुधार और मानव कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में बीस प्रतिशत आरक्षण देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जिसने अग्निवीरों को सेना की सेवा अवधि के बाद नौकरी देने का प्रावधान कर उनका भविष्य सुरक्षित किया है और उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस की भर्ती में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस संबंध में हरियाणा सरकार को पत्र लिखकर अग्निवीरों के आरक्षण को बीस प्रतिशत करने के लिए कहा था। हरियाणा में अग्निवीरों का पहला बैच वर्ष 2026 में आ रहा है। मुख्यमंत्री ने रविवार को पंचकूला स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में अग्निवारों को नौकरी में आरक्षण प्रदान करने को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक के बाद स्पष्ट किया गया कि वन विभाग में फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डर और खनन गार्ड की नौकरी में भी अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर सेना की सेवा अवधि के बाद हरियाणा में नौकरी पा सकेंगे। इसको लेकर उनके लिए अलग से पोर्टल बनाया जाएगा, जिस पर वे अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नौकरियों में वरीयता दी जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2022 से आरंभ की गई अग्निपथ नामक योजना के तहत सेना के तीनों अंगों थल, जल व वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती की गई है। अग्निवीरों का पहला बैच जुलाई 2026 में पूरा होना है, जबकि हरियाणा मंत्रिमंडल ने इससे पहले ही हरियाणा अग्निवीर नीति 2024 क्रियान्वित कर अग्निवीरों को सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा से वर्ष 2022-23 के दौरान 2227 तथा 2023-24 के दौरान लगभग 2893 युवा अग्निवीर के रूप में थल, जल व वायु सेना में भर्ती हुए थे। हरियाणा में अग्निवीरों को खनन गार्ड, जेल वार्डर तथा एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत हॉरिजेंटल आरक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा ग्रुप सी की भर्ती में 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। बैठक में बताया गया कि जो अग्निवीर स्वरोजगार या उद्यमशीलता को अपनाना चाहते हैं उन्हें सस्ती दरों पर लोन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा जो उद्योग अग्निवीरों को 30 हजार रुपए से अधिक मासिक वेतनमान पर सेवाओं में रखते हैं तो उन उद्योगों को सरकार 60 हजार रुपए वार्षिक सब्सिडी भी उपलब्ध करवाएगी। जो अग्निवीर प्राइवेट सुरक्षा कर्मी के रूप में सेवाएं देना चाहते हैं तो उन्हें गन लाइसेंस प्रदान करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए अग्निवीरों को पोर्टल पर आवेदन करना होगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार और मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ता अब राजस्थान में सरकार बदलने के मिथक को तोड़ने की दिशा में करेंगे कार्य : राठौड़

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 46वां स्थापना दिवस पर रविवार को प्रदेशभर में उत्साह पूर्वक मनाया गया। जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का ध्वज फहराया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश कार्यालय में लगाई गई *विकास गाथा* प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और उसका अवलोकन भी किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा के स्थापना दिवस और रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के इस विशेष दिवस पर उन सभी महान विभूतियों को कृतज्ञता पूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इसे राष्ट्रीय राजनीति के शिखर पर पहुंचाया है। अब हम सभी को राजस्थान में हर पांच साल बाद सरकार बदलने के मिथक को तोड़ते हुए फिर से भाजपा की सरकार बनानी है, इस दिशा में धरातल पर कार्य करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा के स्थापना दिवस में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर पर जाकर आम नागरिकों को भाजपा के समर्थक बनाए और आमजन तक केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने में मदद करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हर वर्ग, हर समुदाय के कल्याण एवं उत्थान के लिए योजनाएं बना रहे है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है इन योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के साथ जरूरतमंद को उसका लाभ दिलाया जाए। बूथ स्तर की समितियों के सम्मेलन के दौरान हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा का झंडा फहराया। राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने की दिशा में अपना दूसरा बजट पेश किया। इस बजट में समृद्ध राजस्थान, विकसित राजस्थान के लिए कार्ययोजनाएं तैयार की गई। हमें राजस्थान में विकास के नए आयाम स्थापित करने है। भाजपा के कार्यकर्ता ने बहुत संघर्ष किया है और इसी संघर्ष के बदौलत हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन गए। मेरा प्रदेशवासियों से आह्वान है कि वो गुण-अवगुण के आधार राजनीतिक पार्टी का निर्णय करें।

अमृतसर में आईएसआई का एजेंट हथियारों समेत गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक एजेंट को हथियारों समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से नकदी भी बरामद की गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को इस बारे में बताया कि आरोपी के पास से एक ग्लॉक (9 एमएम पिस्तौल), एक .30 कैलिबर पिस्तौल, 3 मैगजीन और दो लाख 15 हजार 500 रुपए की नकली करेंसी बरामद की है। आरोपी की पहचान अमृतसर देहात क्षेत्र निवासी जरमन सिंह के रूप में हुई है। डीजीपी ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि सीमा पार से तस्करी और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। अमृतसर देहात पुलिस ने जर्मन सिंह को हथियारों और नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह खेप क्षेत्र में अशांति पैदा करने के लिए आईएसआई के गुर्गों द्वारा भेजी गई थी। अमृतसर के घरिंडा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई और आगे की जांच जारी है।

घटिया स्पोर्ट्स किट बांटने की जांच होगी : मदन दिलावर

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान में झुंझुनू जिले के टमकोर गांव स्थित महाप्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सरकारी स्कूलों में वितरित की गई घटिया गुणवत्ता वाली स्पोर्ट्स किट को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने के निर्देश दिए हैं और स्पष्ट किया है कि जो भी व्यक्ति, अधिकारी कर्मचारी इस घोटाले में दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को टमकोर महाप्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल में प्रोग्राम शामिल होने आए थे। राज्य के सरकारी स्कूलों में बच्चों को खेलकूद के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खेल किट वितरित किए है। खेल किट में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायतें समाने आ रही हैं। राज्य की 1544 स्कूलों में ये किट भेजे गए। इन खेल किटों की गुणवत्ता अत्यंत निम्न पाई गई है और इनमें कई महत्वपूर्ण खेल सामग्रियां भी गायब हैं। ठेका कंपनी ने प्रति किट 23746 की राशि वसूली है, जबकि बाजार में उपलब्ध समान गुणवत्ता वाली सामग्री की कीमत 10 हजार से भी कम आंकी जा रही है। इस प्रकार सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाया गया है। स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने भी किट में मौजूद सामान की गुणवत्ता और कमी को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। इस गंभीर मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। टमकोर में शिक्षा मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह एक गंभीर मामला है और इसमें शामिल दोषी अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने तत्काल प्रभाव से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और यह भी कहा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

जयपुर समेत 10 जिलों में सस्ते घर देगा हाउसिंग बोर्ड, जल्द लांच करेगा योजनाएं

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अप्रेल और मई में प्रदेश के 10 जिलों में आवासीय योजनाएं लांच करने जा रहा है। इनमें अलग-अलग इनकम ग्रुप के लोगों के लिए इंडिपेंडेंट घर के साथ ही फ्लैट्स की योजनाएं शामिल हैं। ऑनलाइन आवेदन करने पर लॉटरी के माध्यम से इंडिपेंडेंट घर और फ्लैट आवंटित किए जाएंगे। राजस्थान सरकार ने बजट 2025-26 में अलग-अलग जिलों में आवासीय योजना लांच करने की घोषणा की थी। अब राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अप्रेल और मई में जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर, कोटा और हनुमानगढ़ जिले में अलग-अलग आय वर्गों के लिए नई आवासीय योजनाएं लांच करने जा रहा है। बारां के अटरू व गजनपुरा, बूंदी के नैनवा व लाखेरी और धौलपुर में भी आवासीय योजना जल्द शुरू की जाएंगी। जैसलमेर और कोटपूतली-बहरोड़ में नीमराना के पास शाहजहांपुर में भी योजना की तैयारी चल रही है। इन 10 जिलों में ईडब्ल्यूएस,

एलआईजी, मध्यम आय वर्गों व उच्च आय वर्गों के परिवारों के लिए इंडिपेंडेंट आवास और फ्लैट्स सरकार की ओर से निर्धारित दर पर मिलेंगे। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि राजस्थान आवासन मंडल ने आमजन के अपने घर के सपने को साकार करने के लिए नई योजनाएं लांच करने का फैसला किया है। इन योजनाओं में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर, ग्रीन क्षेत्र, सामुदायिक भवन, पार्किंग और जल संरक्षण जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे लोगों को गुणवत्ता युक्त और बेहतरीन लाइफस्टाइल मिल सके। हाउसिंग बोर्ड के ये प्रोजेक्ट इनकम ग्रुप के हिसाब से बनाए गए हैं। इनमें 5 कैटेगरी ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी ए, एमआईजी बी और एचआईजी है। आवेदक अपनी सालाना आय के अनुसार इनके लिए आवेदन कर सकता है। जैसे- ईडब्ल्यूएस (इकोनॉमी वीकर ग्रुप) फ्लैट के लिए आय सीमा सालाना 3 लाख रुपए तक की है। एलआईजी (लोअर इनकम ग्रुप) में यह सीमा 3 से 6 लाख रुपए है। एमआईजी (मिडिल इनकम ग्रुप) में अलग-अलग आय वर्ग की दो कैटेगोरी हैं। एमआईजी ए में 6 से 12 लाख रुपए और एमआईजी बी में 12 से 18 लाख रुपए हैं। एचआईजी (हाई इनकम ग्रुप) में 18 लाख से ज्यादा आय वर्ग के लोग अप्लाई कर सकते हैं।

राष्ट्र प्रथम भाव के साथ सेवा, सुशासन व जन कल्याण को समर्पित है भाजपा : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने झंडे के सम्मुख पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेल्फी ली और सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भाजपा की स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने एक सोशल मीडिया संदेश में कहा कि भाजपा *राष्ट्र प्रथम* के भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में पार्टी का झंडा फहराने के अवसर पर सांसद रविकिशन, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, पूर्व

महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, अच्युतानंद शाही, अजय श्रीवास्तव, ऋषि मोहन वर्मा, बृजेश सिंह छोटू समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा के स्थापना दिवस पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सीएम योगी ने कहा कि भारत की माटी से जुड़कर, भारत के महापुरुषों और भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए *राष्ट्र सर्वोपरि* के भाव के साथ सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित, विश्व के विशालतम राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की सभी समर्पित, राष्ट्रनिष्ठ, लोकनिष्ठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! एक्स पर एक दूसरे पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, *राष्ट्र प्रथम* भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन-कल्याण को समर्पित भारतीय जनता पार्टी का ध्वज मेरा गौरव, मेरी प्रेरणा है। आज भाजपा के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर मेरा सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान है कि अपने घर/कार्यालय पर भाजपा के ध्वज को फहराएं और हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट करें। यह भाजपा के उन सभी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है।

शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली ने 24 नवंबर को सर्वे होने की गोपनीयता खत्म कर दी थी

मुरादाबाद (हिंस)। अपर शासकीय अधिवक्ता हरि ओम प्रकाश सैनी ने शनिवार को बताया कि बीते साल 24 नवंबर को संभल की विवादित शाही जामा मस्जिद में हुई हिंसा मामले में मस्जिद के सदर जफर अली को प्रशासन द्वारा 23 नवंबर को बता दिया गया था कि 24 नवंबर को सर्वे होना है यह बात गोपनीय थी लेकिन इन्होंने इसकी गोपनीयता खत्म कर यह बात चहुंओर फैला दी थी। एडीजीसी हरि ओम प्रकाश सैनी शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली ने 23 नवंबर की रात्रि में संदिग्ध लोगों को फोन किया व मेसेज भी किए रात को 12 बजे कमेटी के कैशियर सुहैल खान के घर पर सदस्यों की मीटिंग भी की रात्रि 12.32 पर सांसद जिया उर रहमान वर्क से मोबाइल पर व्हाट्स एप पर बातचीत हुई थी उनसे चार बार बात हुई थी। पुलिस को शाही जामा मस्जिद के सदर ने पूछताछ में बताया कि सांसद जिया उर रहमान बर्क ने उनसे कहा कि सर्वे किसी भी हालत में नहीं होना चाहिए लोगों को इकट्ठा कीजिए। जामा मस्जिद हमारी है और हमारी रहेगी यदि सर्वे हो गया तो हमारी कौम हम पर थूकेंगी जिसके चलते जफर अली ने 24 नवंबर को भीड़ इकट्ठी कराई जिसकी वजह से दंगा हुआ पुलिस पर पथराव हुआ फायरिंग हुई पुलिस पर जान से मारने की नियत से हमला किया गया। अधिवक्ता ने आगे बताया कि एक नई बात यह भी सामने आई कि जफर अली पर प्रेस कांफ्रेंस करने का दबाव था कि जिसके चलते उन्होंने पुलिस पर यह आरोप लगाया कि पुलिस के अवैध तमंचों से लोगों पर गोली चलाई जिसमें लोगों की मौत हुई। जब सदर अन्दर थे तो उन्होंने यह सब कैसे देख लिया उन्होंने झूठे तथ्य गड़े जिसमें मृत्यु दंड तक का अपराध है इस पूरे मामले में जिया उर रहमान वर्क और जफर अली ने ही संचालित किया है यह दोनों ही सूत्रधार हैं। केस डायरी और विवेचना में जिया उर रहमान वर्क और जफर अली दोनों की बातचीत संदिग्ध हैं। दोनों की कॉल डिटेल मोबाइल कंपनी से मंगाई थी वो सलंग्न है दोनो की प्रेस कांफ्रेंस की सीडी भी सलंग्न है। जियाउर रहमान वर्क ने अपनी कांफ्रेंस में अपने मंसूबे जता दिए थे और उन्होंने कहा था कि यह मस्जिद हमारी है और हमारी रहेगी यह कह कर लोगो को भड़काया और सदर को भीड़ इकट्ठी करने के लिए निर्देशित किया।

महिला को बिजली के खंभे से बांध पीटने पर आयोग ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पटियाला जिला के गांव जनसुआ में एक महिला को गांव के चौराहे पर खंभे से बांधकर पीटने और वीडियो वायरल करने के मामले में महिला आयोग ने पंजाब पुलिस से सोमवार शाम तक एक्शन टेकन रिपोर्ट मांग ली है। इस पूरे मामले की जांच एसपी स्तर के अधिकारी से करवाने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। राजपुरा थाना इलाके के अंतर्गत गांव जनसुआ में एक 18 साल का युवक शादीशुदा महिला को भगा ले गया। दो बच्चों की मां को भगाने वाले युवक की तलाश जारी थी कि परिवार से अलग रह रही युवक की मां गांव पहुंची तो भागने वाली महिला के परिवार ने उसे बंधक बना लिया। मारपीट करते हुए उसे गांव के चौराहे पर ले जाने के बाद बिजली के पोल से बांध दिया। यही नहीं महिला के कपड़े तक फट गए थे। कुछ लोग महिला को निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने की तैयारी कर रहे थे कि पुलिस मौके पर पहुंच गई और करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके कुलदीप सिंह व बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को पंजाब राज्य महिला आयोग ने पटियाला के एसएसपी को गांव जनसूहा, जिला पटियाला के ग्रामीणों द्वारा एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार के आरोपों के मामले में 7 अप्रैल, 2025 तक कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने एसपी रैंक के अधिकारी को इस मामले की गहनता से जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने पंजाब राज्य महिला आयोग एक्ट, 2001 की धारा 12 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए पुलिस अधिकारियों से तुरंत जवाब मांगा है। चेयरमैन राज लाली गिल ने कहा कि जांच के परिणामों के आधार पर महिला को परेशान करने या अनुचित दबाव डाले जाने की सूरत में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्थापना दिवस पर भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं ने अलग आयोजित किया समारोह

नवादा (हिंस)। भाजपा संगठन में अध्यक्ष की मनमानी तथा कमेटी में चमचों को जगह दिए जाने के विरोध में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस समारोह में पार्टी दो फाड़ हो गई। जिला अध्यक्ष अनिल मेहता ने जहां पार्टी कार्यालय में स्थापना दिवस मनाया। वहीं जिले के कोर कमेटी के तीन पूर्व अध्यक्षों अधिकांश पुराने कार्यकर्ता तथा पदाधिकारियों ने न्यू एरिया के श्री कृष्णा स्मारक भवन में पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना की अध्यक्षता में स्थापना दिवस समारोह मनाया, जिसमें भारी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के पुराने जिला कार्यकर्ताओं के द्वारा डॉ. श्री कृष्णा स्मारक हाल में पार्टी के स्थापना

दिवस का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। इसमें पार्टी के स्थापना से लेकर आज तक पार्टी के द्वारा किए गए कार्यों का विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। आगामी आने वाले विधानसभा चुनाव एवं पार्टी के सारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का संचालक निवर्तमान जिला अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना ने किया। जिले के कोने-कोने से आए पुराने कार्यकर्ताओं ने यह साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष द्वारा पार्टी को गिरोह के तौर पर चलाया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दलित महिलाओं ने श्रीराम ध्वजा के साथ श्रीराम संस्कृति कलश यात्रा निकाली

वाराणसी (हिंस)। चैत्र नवरात्र के रामनवमी पर रविवार को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के गांव लमही में दलित महिलाओं ने श्रीराम ध्वजा के साथ श्रीराम संस्कृति कलश यात्रा निकाली। महिलाओं ने सिर पर राम और जानकी की प्रतिमा, कलश, हाथों में गदा और राम ध्वजा के साथ लमही स्थित श्रीराम आश्रम से श्रीराम संस्कृति कलश यात्रा में शामिल हुई तो पूरा वातावरण राममय हो गया। कलश यात्रा का नेतृत्व रामभक्त हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी ने किया। रामध्वजा के साथ जय श्रीराम के जयकारे गूंज रहे थे। मुंशी प्रेमचन्द के गांव को गोठ (परिक्रमा) कर दलित महिलाओं ने गांव के चारों ओर राम नाम की लकीर खींची, ताकि गांव को बुरी नजर से बचाया जा सके। घर-घर राम की पूजा को अनिवार्य बनाने की पहल की गई। इस अवसर पर रामपंथ के डॉ. राजीव ने कहा कि रामपंथ रामपरिवार भक्ति आंदोलन चला रहा है। हर घर में भगवान श्रीराम

के परिवार की पूजा होने लगेगी तो श्रीराम के महान आदर्शों को घर-घर में स्थापित किया जा सकेगा। इससे परिवार बचेगा। आचार्य डॉ. कवीन्द्र नारायण ने कहा कि दुनिया भगवान राम के ही रास्ते पर चलकर शांति और समृद्धि की ओर जा सकती है। कलश यात्रा में डॉ. अर्चना भारतवंशी, डॉ. नजमा परवीन, डॉ. मृदुला जायसवाल, ज्ञान प्रकाश, आभा भारतवंशी, पूनम श्रीवास्तव, सुनीता, सरोज देवी, मैना, रीता, बेचना, लालती, राजकुमारी, प्रियंका, गीता आदि शामिल रहीं।

आरबीआई की समीक्षा बैठक के फैसले पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ में ज्यादा बढ़ोतरी किये जाने से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध गहराने एवं आर्थिक मंदी की आशंका में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय पर नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए वित्तीय वर्ष 2025-26 की

भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना

शुरुआत धीमी रही है, जिसका प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा अपेक्षा से अधिक टैरिफ लगाया जाना है। इससे आईटी और धातु जैसे क्षेत्रों ने व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं और संभावित जवाबी व्यापार कदमों की आशंका को दर्शाता है। निवेशक अब वैश्विक व्यापार साझेदारों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, जिससे भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना है।

इस सतर्क रुख का असर सोने और बॉन्ड जैसी निवेश के लिए सुरक्षित गंतव्य मानी जाने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़ते झुकाव में भी देखा जा रहा है, जहां कीमतों में निरंतर तेजी बनी हुई है। वहीं भारत पर लगाए गए टैरिफ की दर अन्य एशियाई देशों की तुलना में कम रही है, जो बाजार के लिए कुछ राहत की बात है। साथ ही निवेशकों की निगाहें आरबीआई की चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक पर भी टिकी हैं। यदि फैसला अनुकूल रहता है, तो ब्याज दर के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

संसदीय समिति की आलोचनाः जिला खनिज फाउंडेशन कोष के स्थानांतरण पर चिंता

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया है कि देश के कई राज्यों में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) कोष को खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित करने पर चिंता जताई है। समिति ने बताया कि कुछ राज्यों में डीएमएफ कोष का अन्यत्र इस्तेमाल हो रहा है, जो उसके मूल उद्देश्य से भिन्न है। डीएमएफ कोष का मूल उद्देश्य है खनन से प्रभावित प्रत्येक भारतीय जिले के लिए एक गैर-लाभकारी सांविधिक कोष होना। संसद की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई राज्यों में डीएमएफ कोष को निर्धारित उद्देश्यों के अलावा अन्यत्र इस्तेमाल होने के साथ-साथ इसका हस्तांतरण राज्य के खजाने या राज्यस्तरीय कोष में किया जा रहा है, जो खनन अधिनियम की मूल भावना का उल्लंघन करता है। कमेटी ने इसे विफलता और कानूनी अनियमितियों के रूप में देखा है ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद, कंपनी बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडल पेश करने की बना रही योजना

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने चालू वित्त वर्ष में भी अपनी बिक्री में वृद्धि की रफ्तार कायम रखने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की योजना है चालू वित्त वर्ष में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडलों की पेशकश करने की। वाधवा ने बताया कि कंपनी अपने एसयूवी और एमपीवी वाहनों की मांग मजबूत रखने की उम्मीद रख रही है। उन्होंने इस बारे में कहा कि कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कार्बन निरपेक्षता के मामले में अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्युतीकरण की संभावना देख रही है। उन्होंने यह भी जताया कि कंपनी स्थिति मजबूत करने और वाहन बाजार में अधिक भूमिका निभाने के लिए बढ़े हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी देश के ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार भी करना चाहती है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्यात में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है और उनकी योजना है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात को और भी बढ़ावा दें। टीकेएम ने जारी किया यह बड़ा लक्ष्य और उनकी योजनाओं में तेजी और भरोसा देखा जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ का असर, जेएलआर ने रोका अमेरिका को कारों का निर्यात

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया है और इसके साथ ही अप्रैल में कारों पर 25 फीसदी टैरिफ भी लागू हो गया है। इस फैसले के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अमेरिका को कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के प्रवक्ता ने बताया कि वे अमेरिकी बाजार में नई ट्रेडिंग टर्म की दिशा में काम कर रहे हैं और ब्रिटेन में बदलाव को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के लिए कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के ग्राहकों के लिए यह फैसला एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह कंपनी ब्रिटिश प्लांट से अमेरिका में अपनी गाड़ियां निर्यात करती थी। ब्रिटिश वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने साल 2008 में फोर्ड मोटर्स से जेएलआर का खरीदा था और इसके बाद से जगुआर लैंड रोवर की व्यापक मौजूदगी अमेरिकी बाजार में बढ़ती रही थी। उसके प्रवक्ता ने कहा, जगुआर लैंड रोवर के लक्जरी ब्रांडों के लिए अमेरिका एक उत्कृष्ट मार्केट है, और हम अपनी नई ट्रेडिंग टर्म को एड्रेस करने के लिए काम कर रहे हैं। हम अपने बिजनेस पार्टनर्स के साथ काम कर रहे हैं ताकि हम अपनी उद्यमिता को बनाए रख सकें। इस बदलाव के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अप्रैल में निर्यात खेप रोकने का फैसला लिया है, जो कि कंपनी के लिए एक व्यापक और महत्वपूर्ण फैसला है। इससे पहले कंपनी ने बताया था कि उसके लक्जरी ब्रांडों की ग्लोबल अपील है और वह बदलती बाजार स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों में गिरावट, मूंगफली, सरसों के भाव बढ़े

कारोबारी धारणा बिगड़ने की वजह से सभी तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट देखी गई

नई दिल्ली

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतें कम होने तथा 'शुल्क युद्ध' की बढ़ती आशंकाओं के बीच कारोबारी धारणा बिगड़ने की वजह से सभी तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट देखी गई और सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि इससे पिछले सप्ताह जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,160-1,165 डॉलर प्रति टन रह गया।

बाजार धारणा बिगड़ने का यह मुख्य कारण रहा। हालांकि, यह दाम जो पहले सोयाबीन से लगभग 100 डॉलर अधिक था वह अब घटने के बाद सोयाबीन से लगभग 60 डॉलर अधिक ही है। हालांकि, जितना पाम, पामोलीन तेल का दाम टूटा है, उतनी गिरावट सोयाबीन में नहीं आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,200-6,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,340-2,440 रुपये और 2,340-2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,400-4,450 रुपये और 4,100-4,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 425 रुपये, 325 रुपये और 225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 13,400 रुपये, 13,150 रुपये और 9,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।स मीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,700-6,075 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 450 रुपये और 55 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और 2,235-2,535 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 350 रुपये की गिरावट के साथ 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सिक्किमः भारत का एकमात्र राज्य जिसे नहीं देना होता कोई टैक्स

नई दिल्ली

भारत में इनकम टैक्स का मोर्चा हमेशा चर्चा का विषय रहता है। लेकिन सिक्किम एक ऐसा राज्य है जहां नागरिकों को कोई टैक्स नहीं देना होता है। यह इसलिए है क्योंकि इस राज्य में लागू किए गए खास कानूनों के तहत कोई भी व्यक्ति को भारत सरकार को आयकर नहीं देना होता है। सिक्किम को 1975 में भारत में विलय किया गया था और वादा किया था कि इस राज्य के पुराने कानून और विशेष दर्जे बरकरार रहेंगे। जिसे 1948 का सिक्किम आयकर मैनुअल सुनिश्चित करता है।

इस नियम के अनुसार, सिक्किम के रहने वाले सभी नागरिकों को टैक्स मुक्ति प्राप्त है। वर्ष 2008 में सिक्किम के लिए केन्द्रीय बजट में एक विशेष अनुमान शामिल किया गया जिसने राज्य के 94 फीसदी से अधिक लोगों को आयकर से छूट दी। इसके अलावा, सिक्किम के व्यक्तियों को शेयरों पर डिविडेंड और अर्जित आय पर भी छूट प्राप्त होती है। सिक्किम का यह विशेष दर्जा यहां के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है। आम व्यक्ति इस सिक्किमी निवासी सुविधा का अच्छे से अच्छे विकल्पों के साथ लाभ उठा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2008 में सिक्किम के कर कानून निरस्त कर दिए गए।

35 हजार रुपये तक सस्ती मिल रही मारुति ईको

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की ईको कार इस महीने खास ऑफर के तहत 35,000 रुपये तक सस्ती मिल रही है। कंपनी इस पर 10,000 रुपये तक का कैश डिस्काउंट और 25,000 रुपये तक का स्क्रैपेज बोनस दे रही है। यह ऑफर 30 अप्रैल 2025 तक ही मान्य है। ईको की एक्स-शोरूम कीमतें फिलहाल 5.44 लाख से 6.70 लाख रुपये तक हैं। हालांकि, कंपनी ने साफ कर दिया है कि मई से कार की कीमतों में 62,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की जाएगी। ऐसे में यह ऑफर कार खरीदने वालों के लिए एक अच्छा मौका साबित हो सकता है। ईको में 1.2-लीटर के सीरीज इंजन दिया गया है, जो पेट्रोल पर 80.76 पीएस की पावर और 104.5 एनएम टॉर्क देता है। सीएनजी वेरिएंट में यह घटकर 71.65 पीएस और 95 एनएम हो जाता है।

एक लीटर पेट्रोल में 73 किमी का माइलेज देती है हीरो बाइक

अगर आप ऑफिस आने-जाने के लिए फ्यूल एफिशिएंट बाइक की तलाश में हैं, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 आपके लिए एक बेहतरीन चॉइस हो सकती है। हीरो मोटोकॉर्प की इस बाइक की दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 83,571 रुपए है। आरटीओ, इंश्योरेंस और अन्य चार्ज जोड़ने पर इसकी ऑन-रोड कीमत राज्य अनुसार अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह फिर भी 84,000 रुपए से कम में आ सकती है। हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 में 9.8 लीटर का फ्यूल टैंक है और कंपनी का दावा है कि यह बाइक अराई सर्टिफिकेशन के अनुसार एक लीटर पेट्रोल में 73 किलोमीटर का माइलेज देती है। यानी फुल टैंक पर यह बाइक लगभग 715 किलोमीटर तक चल सकती है। हालांकि, असली माइलेज सड़क की स्थिति और राइडिंग स्टाइल पर निर्भर करता है। इस बाइक में 97.2 सीसी का 4-स्ट्रोक, एयर-कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है जो पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ अच्छी ईंधन दक्षता भी देता है।

टेस्ला के आने से बढ़ेगा भारत में ईवी बाजार, प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंतित नहीं: बीएमडब्ल्यू

कंपनी के अधिकरी ने कहा, भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुके हैं

नई दिल्ली

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा है कि वह भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में टेस्ला के आने की संभावना को लेकर चिंतित नहीं है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का मानना है कि टेस्ला के आने से इस खंड को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा के समूह भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुका है। 2025 की पहली तिमाही में कंपनी पहले ही 646 इकाइयां बेच चुकी है। उन्होंने कहा कि हमने भारत में अपनी कुल बिक्री में से 15 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के जरिये हासिल करने का अनुमान लगाया है। मुझे लगता है कि बाजार बढ़ना चाहिए। जब भी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, तो हमने देखा है कि बाजार बढ़ता है। उनसे पूछा गया था कि टेस्ला के भारत में प्रवेश करने के साथ ईवी बाजार कैसे आकार लेगा और इसपर

बीएमडब्ल्यू का क्या रुख रहेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी बाजारों में, हम साथ-साथ मौजूद हैं। आप पिछले साल दुनियाभर के आंकड़े देख सकते हैं, हम ही हैं जो आगे बढ़ रहे थे। वैश्विक स्तर पर हमारी ईवी की बिक्री बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बहुत अधिक विनिर्माता इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बात नहीं कर सकते हैं। वर्ष 2024 में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने कुल 4,26,594 पूर्ण-इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और ईवी की बिक्री में उसने 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।

राजस्थान में रीको 533 औद्योगिक भूखंडों का करेगा आवंटन, 7 अप्रैल से शुरू होगी प्रक्रिया

जयपुर

राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए राजस्थान इंडस्ट्रियल विकास एवं निवेश कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने राजस्थान में पूंजी निवेश करने वाले उद्योगपतियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। राजस्थान सरकार के तहत रीको इस माह 533 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन करेगा। इन भूखंडों का आवंटन करने की प्रक्रिया 7 अप्रैल से शुरू होगी और ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2025 तक रखी गई है। रीको ने एक बड़े पूल के माध्यम से 103 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया था, जिससे उसे 353 करोड़ रुपए की आय हुई थी। अब, आवंटन हो रहे इन भूखंडों की बिक्री से रीको को करोड़ों रुपए की राजस्व आय होने की संभावना है।

इन भूखंडों का आवंटन किया जाने वाला है वे काफी प्रीमियम प्रॉपर्टीज हैं, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास को एक नई ऊँचाई देंगे। आवंटन की गई इन 533 औद्योगिक भूखंडों में

आबूरोड़, अजमेर, अलवर, भिवाड़ी, बोरानाड़ा, दौसा, धिलौठ, जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, मंडोर, और नीमराना शहरों में समाहित है। इसके अलावा, बालोतरा, झालावाड़, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, नागौर, पाली, जालोर, राजसमंद, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर, उदयपुर और सवाई माधोपुर क्षेत्रों में औद्योगिक प्लॉट्स भी उपलब्ध हैं।

अमेरिका के टैरिफ से पाकिस्तान परेशान, दो समितियां गठित की, प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन जाएगा ताकि अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चा हो सके

इस्लामाबाद । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निर्देश के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए दो समितियों की गठन की घोषणा की है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने इस पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा स्पष्टीकरण दिया है। पहली स्टीयरिंग कमेटी में वित्त मंत्री आगे बढ़ेंगे, जो कि मंत्री, व्यापारी नेता, सचिव और शिक्षाविद मिलकर रहेंगे। दूसरी वर्किंग ग्रुप का नेतावाणी वाणिज्य सचिव करेंगे। अंत में उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन जाएगा ताकि अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चा हो सके। पाकिस्तान के स्टेट बैंक के अनुसार, उनके अमेरिका से कुल निर्यात 5.44 बिलियन डॉलर रहा है। वित्त मंत्री ने मैक्रोइकॉनॉमिक्स स्टेबिलिटी हासिल करने के बारे में भी चर्चा की है और उत्पादकता आधारित विकास की जरूरत को जताया है। आम जनता को भी ध्यान में रखते हुए मंत्री ने बताया कि मुद्रास्फीति को कम करने का प्रयास चल रहा है, जिससे आम आदमी को भी फायदा पहुंचे। उन्होंने कहा कि टैरिफ के निर्णय के बाद, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए मान्यता प्राप्त करने की कोशिश की जा रही है।

रिको की टर्म लोन स्कीम के तहत, निवेशक भूमि की लागत का 75 फीसदी राशि का ऋण ले सकेंगे, जिसके लिए उन्हें 8.5 फीसदी ब्याज दर के साथ भुगतान करना होगा। कुल राशि का 25 फीसदपी जमा करने के बाद, उन्हें शेष राशि का भुगतान 11 किस्तों में किया जा सकेगा। इसके साथ ही, रीको नॉन इंडस्ट्रियल प्लॉट की आवंटन प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

राजस्थान रॉयल्स की धमाकेदार जीत, पंजाब किंग्स को उसके घर में 50 रनों से हराया

मोहाली

आईपीएल के 18वें सीजन में शनिवार को खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को उसके घरेलू मैदान मुल्लांपुर में 50 रनों से करारी शिकस्त दी। पंजाब की यह इस सीजन की पहली हार रही, जबकि राजस्थान ने दमदार वापसी के संकेत दिए हैं।

मैच की शुरुआत पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर द्वारा टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लेने से हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 205 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने तूफानी अंदाज में 67 रन (45 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) की पारी खेली, जबकि संजू सैमसन ने 38 रन बनाए। अंतिम ओवर्स में रियान पराग (नाबाद 43) और ध्रुव जुरेल (13) ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम दबाव में दिखी। पहले ही ओवर में जॉफ्रा आर्चर ने प्रियांस आर्या को बोल्ड कर शुरुआत में ही झटका दिया। अगले ही ओवर में श्रेयस अय्यर भी आर्चर की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजों के आउट होने की लाइन लग गई। प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टोइनिस भी जल्दी पवेलियन लौटे। हालांकि नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) ने 88 रनों की साझेदारी कर मैच में जान फूंक दी, लेकिन 15वें ओवर के बाद दोनों के आउट होते ही पंजाब की पारी बिखर गई। पूरी टीम 20 ओवर में 155 रन ही बना सकी।

राजस्थान की ओर से आर्चर ने तीन, संदीप शर्मा और मथीशा तीक्षणा ने दो-दो विकेट लिए। हसारंगा और कुमार कार्तिकेय को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान सैमसन के नाम रिकॉर्ड

मैच में मिली जीती के बाद संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्य के कप्तान के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में सबसे अधिक जीत के रिकॉर्ड के लिए दिग्गज स्वर्गीय शेन वार्न को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने 55 मैचों में 31 जीत दर्ज की थीं, लेकिन पंजाब के हराते ही यह रिकॉर्ड अब संजू सैमसन के नाम हो गया। संजू की कप्तानी में राजस्थान ने 62 मैचों में 32 में जीत दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

मुम्बई इंडियंस ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले बुमराह को शामिल किया

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। बुमराह को मुंबई इंडियंस ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शामिल किया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। अब आईपीएल के जरिये बुमराह की वापसी हो रही है। बुमराह पिछले पांच सप्ताह से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे। इस तेज गेंदबाज ने मुम्बई के साथ आने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट में साझा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अभ्यास मैच खेलने और उसके बाद मेडिकल टीम से अनुमति मिलने के बाद ही अपनी टीम के शिविर में शामिल हुए है पर अभी भी वह आरसीबी के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। माना जा रहा है कि आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलने का फैसला वह मुख् कोच महेला जयवर्धने से बातचीत के बाद करेंगे। साल 2013 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बुमराह मुम्बई के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने टीम की ओर से 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है दिल्ली शीर्ष , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 6 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम लगातार तीन मैच हारी है और वह अंकतालिका में 9वें नंबर पर खिसक गई है। वहीं पंजाब किंग्स की लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली है। इस हार से पंजाब की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर फिसल गई है। वहीं राजस्थान रॉयल्स सातवें नंबर पर बनी हुई है। आईपीएल अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स पहले और सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम 10वें नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है। मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट में 3 मैच हारी है। मुंबई के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें भी 3-3 मैच हारी हैं। आईपीएल 2025 की ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे अधिक 201 रन बनाकर पहले नंबर हैं। वहीं भारत के साई सुदर्शन 186 रन व ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श 184 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा पर्पल कैप की बात करें तो अफगानिस्तान के नूर अहमद 10 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट रेस में सबसे आगे हैं।

सीएसके का ये युवा गेंदबाज धोनी को मानता है क्रिकेटिंग फादर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम के ही एक खिलाड़ी ने अपना क्रिकेटिंग फादर बताया है। ये खिलाड़ी कोई और नहीं, पेसर मथीशा पथिराना हैं। पथिराना ने आईपीएल 2022 में डेब्यू किया था। वे एडम मिल्ने के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े थे और इसके बाद से लगातार सीएसके के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं। मथीशा उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया था। सीएसके द्वारा जारी डॉक्यूमेंट्री में, पथिराना की मां ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से सीएसके के दिग्गज धोनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, धोनी के बारे में कोई शब्द नहीं है। वास्तव में वे भगवान की तरह। मथीशा, जिस तरह से पिता का सम्मान करता है, उसी तरह से वह धोनी का भी सम्मान करता है। पथिराना परिवार के लिए धोनी पिता की तरह हैं। 2022 में जब वे सीएसके का हिस्सा बने तब उन्हें अपने देश में भी ज्यादा लोग नहीं जानते थे। अब वे बड़ा नाम और पैसा कमा चुके हैं। पथिराना कहते हैं, धोनी मेरे पिता की तरह हैं, क्योंकि जब मैं सीएसकू में होता हूं तब वे मुझे बहुत समर्थन, मार्गदर्शन और सलाह देते हैं। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मेरे पिता ने मेरे घर में किया था।

धर्मशाला में होंगे आईपीएल के तीन मैच क्रिकेट प्रेमी चौके-छक्के देखने को बेताब

4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा पंजाब का मुकाबला

कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में स्थित सुंदर स्टेडियम में आईपीएल सीजन 2025 के तीन मुकाबले खेले जाना हैं। ये मैच 4, 8 और 11 मई को खेले जाएंगे। इन मैचों को लेकर यहां के युवाओं में खासा उत्साह है। पंजाब किंग्स की टीम अपने दूसरे होम ग्राउंड यानी धर्मशाला के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलेगी। टीम 11 दिन यहीं रहेगी और तीन मैच खेलेगी। इस दौरान सात दिन अभ्यास कर मैदान और पिच को समझेगी।

एचपीसीए के सचिव ने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 4 मई को होने वाले मुकाबले से दो दिन पहले यानी 2 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। इससे पहले 27 अप्रैल को टीम मुंबई के खिलाफ मैच खेलेगी। 3 मई को लखनऊ की टीम अभ्यास करेगी और 4 मई को पंजाब के मुकाबला होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। 7 मई को अभ्यास करेगी और 8 मई को मैच खेलेगी। वहीं, मुंबई इंडियंस की टीम 8 या 9 मई को धर्मशाला पहुंचेगी और अभ्यास के बाद 11 मई को अपना मैच खेलेगी।

एचपीसीए के सचिव ने बताया कि पंजाब की टीम सबसे पहले धर्मशाला पहुंचेगी और 11 दिन वहीं रुकेगी! उन्होंने कहा कि अभी टीमों के अभ्यास का शेड्यूल तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इन तीन मैचों को लेकर हिमाचल और पंजाब के क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

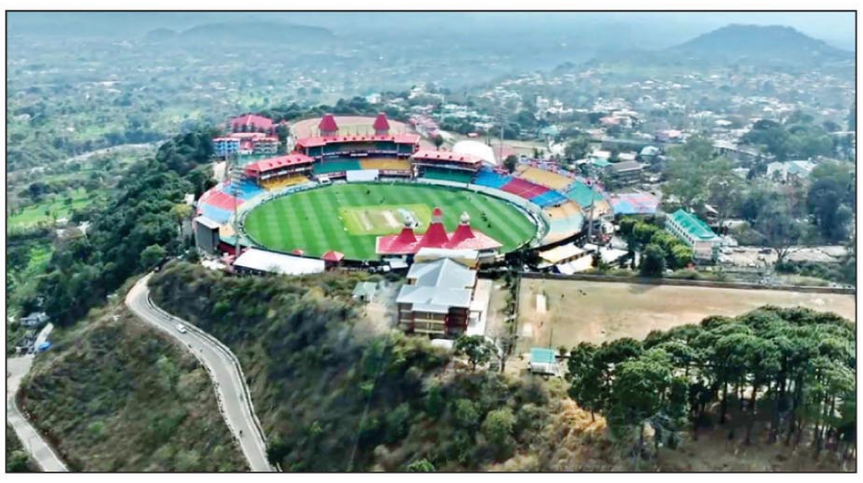

भारत से टेस्ट सीरीज खेलने से पहले इंग्लैंड को झटका, स्टोन की होना है सर्जरी, तेज गेंदबाज नहीं होने से इंग्लैंड के पेस अटैक पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के बाद भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। यह सीरीज जून से शुरु होगी और अगस्त तक चलेगी। इस सीरीज से पहले इंग्लैंड टीम को झटका लगा है, क्योंकि भारत के खिलाफ इस सीरीज से पहले तेज गेंदबाज ओली स्टोन चोटिल हैं और उनका सीरीज में खेलना मुश्किल है। यह निराशाजनक है कि वह बार-बार फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच टेस्ट मैच खेले हैं। पिछला टेस्ट अगस्त-सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। अब तक वह टेस्ट में 17 विकेट ले चुके हैं। स्कैन से पता चला है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत पड़ेगी, जो कि इस हफ्ते होना है। उन्हें 14 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई हैं। ऐसे में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और नॉटिंघमशायर की मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रखे हैं। माना जा रहा है कि भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पेस अटैक पर इसका असर पड़ेगा। खासकर जब मार्क वुड और ब्रायडन कार्से जैसी और भी खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। भारतीय टीम और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 से 24 जून तक लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से 6 जुलाई बर्मिंघम में, तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से 14 जुलाई तक लंदन में, चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई मैनचेस्टर में और पांचवा और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लंदन में खेला जाएगा।

इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का साथ होना सौभाग्य की बात

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने की तारीफ

मुंबई

भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मेंटर (मार्गदर्शक) राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेल रहे बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख खिलाड़ी हैं।

उन्होंने अपने करियर पर द्रविड़ के प्रभाव के बारे में पूर्व भारतीय दिग्गज को बेहतरीन इंसान और खिलाड़ी करार दिया। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का होना सौभाग्य की बात है। जायसवाल ने बताया कि द्रविड़ एक इंसान के तौर पर किस तरह दूसरों से अलग हैं। 'मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर है। वे एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है। वह खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरते हैं, उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे सही जगह पर हैं। वह सही मार्गदर्शन देते हैं, जो व्यक्तिगत करियर और पूरी टीम दोनों के लिए

महत्वपूर्ण है। द्रविड़ के साथ कोई भी बातचीत सीखने का मौका है। जायसवाल ने कहा, उनके करीब रहना सीखने का मौका है। यह सीख न केवल क्रिकेट के बारे में, बल्कि मैदान के बाहर उनके व्यवहार के बारे में भी है। उन्होंने वर्षों से इतनी शालीनता और संयम दिखाया है। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है। जायसवाल ने पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मुंबई से गोवा जाने का फैसला किया है और अगले सत्र में रणजी ट्रॉफी में उनकी कप्तानी करने के लिए तैयार हैं (जब भी उन्हें खेलने का समय मिलेगा)। जायसवाल के फैसले का कारण हालांकि पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसी अफवाहें हैं कि मुंबई की टीम के सीनियर सदस्यों के साथ उनके कुछ मतभेद हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर बहुत भरोसा है। अपने खेल, अपने विचारों और अपनी क्षमताओं पर पूरा यकीन है। क्रिकेट में बहुत त्याग की जरूरत होती है, लेकिन लोग तभी इस पर ध्यान देते हैं जब आप कुछ हासिल करते हैं या अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि सफल होने के लिए मुझे हर पहलू पर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है अब वह चाहे अभ्यास हो, प्रशिक्षण हो, आहार हो या मानसिकता हो।

जापान में फार्मुला वन रेस

जापान में फार्मुला वन रेस में जीत के बाद उत्साहित रेड बुल के मैक्स वर्सटेपन।

मोदी से मुलाकात को 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने सुखद बताया

कोलंबो

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने श्रीलंका दौरे में 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। इन खिलाड़ियों ने इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में साझा की है। इसमें नजर आ रहा है कि प्रधानमंत्री से मिलकर श्रीलंकाई खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। इन खिलाड़ियों ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया। मोदी से मुलाकात के बाद पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर मार्वन अटापट्टू ने कहा, यह एक असाधारण मुलाकात थी। हम भाग्यशाली हैं। हमने अपने करियर में दुनिया भर की यात्रा की है और कई क्रिकेटरों से मुलाकात की है पर भारत को आगे ले जाने वाले एक राष्ट्राध्यक्ष से मिलना अलग ही बाता है। ये किसी सपने केसच होने जैसा था।

वहीं एक अन्य पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर रोमेश कालूविथाराना भी मोदी से मुलाकात के बाद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, जब से मोदी शासन में आए हैं,बहुत सी चीजें बेहतर हुई हैं। इससे श्रीलंका को भी बहुत लाभ हुआ है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर चमिंडा वास ने कहा, 1996 विश्व कप विजेता टीम के रूप में उनसे मुलाकात होना और व्यक्तिगत रूप से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। हमने 1996 विश्व कप जीतने के समय ही उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को कैसे हराया, इस बारे में भी उन्हें बताया। हमने श्रीलंकाई क्रिकेट के भविष्य पर भी चर्चा की कुल मिलाकर ये बातचीत वाकई अच्छी रही।

टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सनथ जयसूर्या ने कहा, 1996 की क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना एक सुखद अनुभवी था। हमने कुछ चीजों पर बात की और हमने अपने क्रिकेट के बारे में बात की। यह हमारे लिए एक शानदार बैठक थी और हमारे लिए एक बेहतरीन अनुभव भी था, क्योंकि कुछ चीजें जो हमने सुनी थीं, उनके बारे में पीएम मोदी ने सब कुछ विस्तार से बताया कि उन्होंने भारत के लिए क्या किया। मोदी चौथी बार श्रीलंका यात्रा पर गये है। राष्ट्रपति दिसानायके के पद संभालने के बाद ये उनका पहला दौरा है। पिछले साल दिसंबर में अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने उन्हें इस यात्रा का निमंत्रण दिया था।

भारतीय हॉकी सितारों ने खेल के माध्यम से शांति का किया समर्थन

नई दिल्ली

हर साल 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारतीय हॉकी सितारे वैश्विक प्टव्हाइटकार्ड अभियान में शामिल हुए और खेल के माध्यम से शांति आंदोलन के लिए एकजुटता दिखाई। खेल में अन्य कार्डों की तरह व्हाइट कार्ड भी शक्तिशाली प्रतीकवाद रखता है लेकिन दंडात्मक कार्डों के विपरीत, व्हाइट कार्ड शांति, समावेश और आशा का प्रतीक है।

हॉकी इंडिया के अनुसार इस वर्ष का अभियान एक गंभीर वैश्विक मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करता है-460 मिलियन बच्चे संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं, जो खेल के मैदान जैसे सुरक्षित स्थानों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच से वंचित हैं। इन चुनौतीपूर्ण वातावरणों में, खेल सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक हो बन जाता है, यह एक जीवन रेखा बन जाता है, जो सहयोग, आपसी सम्मान और लचीलेपन जैसे कौशल का पोषण करता है।भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विशेष संदेश साझा किए। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने हॉकी इंडिया की ओर से बयान में कहा कि खेल में बाधाओं को तोड़ने और लोगों को एकजुट करने की शक्ति है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या भाषा कुछ भी हो। सव्हाइटकार्ड अभियान उन मूल्यों को दर्शाता है जिनके अनुसार हम मैदान पर और मैदान के बाहर जीते हैं- सम्मान, टीमवर्क और शांति। मुझे अपना व्हाइटकार्ड उठाने और हर जगह बच्चों के लिए एक अधिक समावेशी और सुरक्षित दुनिया का आह्वान करने में गर्व है। भारतीय टीम की गोलकीपर सविता ने कहा, मैंने खुद देखा है कि खेल किस तरह से जीवन को बदल देता है। इसने मुझे आत्मविश्वास और उद्देश्य दिया और यह संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए भी ऐसा ही कर सकता है।

व्हाइटकार्ड अभियान में शामिल होकर, हम इस संदेश को और अधिक फैलाने की उम्मीद करते हैं कि हर बच्चे को खेलने, सीखने और शांति से बढ़ने के लिए एक सुरक्षित स्थान मिलना चाहिए। टीम की उभरती हुई स्टार और ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने कहा, हॉकी के मैदान ने मुझे अनुशासन, साहस और सम्मान सिखाया। खेल सिर्फ़ पदक जीतने के बारे में नहीं है, यह चरित्र और समुदायों के निर्माण के बारे में है। यह सव्हाइटकार्ड अभियान शांति और अगली पीढ़ी के लिए एक उवल भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कब्ज रहता है तो इस्तेमाल करें नारियल का तेल

भागमभाग भरी इस जिंदगी में अक्सर लोग ये जानते हुए भी कि जंक फूड में मैदे, पनीर, मक्खन, नमक और चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है, जंक फूड को बहुत ज्यादा महत्व देते हैं। इससे सेहत संबंधी कई समस्याएं सामने आती हैं। इन समस्याओं में सबसे ऊपर है पाचन की समस्या। इसके अलावा दवाओं के इस्तेमाल, गर्भवती महिलाओं के हार्मोन के असंतुलन और व्यायाम न करने से होने वाली कब्ज जैसी समस्याएं आम हैं। अपच से पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन और दैनिक कार्यों में एकाग्रता की कमी जैसी कई मुश्किलें आती हैं। कब्ज से तो कालोरेक्टल कैंसर होने की भी आशंका हो सकती है।

कब्ज में फायदेमंद

लेकिन कब्ज या अपच जैसी बीमारियों को रोकने का बहुत ही आसान-सा समाधान है। खाना बनाते समय अगर तेल पर ध्यान दिया जाए तो यह समस्या बहुत आसानी से हल हो सकती है। नारियल तेल के थोड़े मीठे स्वाद के कारण खाना बनाने में इसका इस्तेमाल बहुत कम लोग करते हैं। लेकिन शायद आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि अगर आपको कब्ज या पाचन संबंधी अन्य तकलीफ रहती है तो नारियल का तेल आपकी तकलीफों को खत्म कर सकता है।

पाचनशक्ति रहे दुरुस्त

दरअसल नारियल तेल में मीडियम चेन फैटी एसिड होता है, जो अन्य वसायुक्त तेलों के मुकाबले ज्यादा घुलनशील है और इसी वजह से नारियल तेल को पचाने में हमारे शरीर को काफी आसानी होती है। दूसरे रिफाइंड तेल में लॉन्ग चेन फैटी एसिड होते हैं, जिन्हें पचाने में काफी समय लगता है। इसलिए सलाद ड्रैसिंग जैसे व्यंजन बनाते समय नारियल तेल की कुछ बूंदों का उपयोग सेहत के लिए तो फायदेमंद साबित होगा ही, उस व्यंजन का स्वाद भी और बेहतर हो जाएगा। दूसरे वसायुक्त तेल पाचन क्रिया में बहुत अधिक समय लेते हैं, लेकिन नारियल का तेल अन्य वसा के मुकाबले जल्दी पचता है और तत्काल ऊर्जा देता है। इस तेल को खाने से सुस्ती भी नहीं आती। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्र बहुत ज्यादा होती है और यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

संक्रमण से बचाए

नारियल तेल में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो अपच की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। ये विटामिन, खनिज लवण और अमीनो एसिड को अवशोषित करने में सक्षम होते हैं। वर्जिन नारियल तेल में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटी वायरल एजेंट्स होते हैं, जो पाचन क्रिया को बढ़ाते हैं और कई तरह के संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं।

कई दर्द में राहत दे

कब्ज की समस्या और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने के अलावा वर्जिन नारियल तेल कई संक्रमणों जैसे कि उल्टी, खांसी, घाव को कम करने, कान के दर्द को कम करने, दांत दर्द कम करने, पेट दर्द, निमोनिया, बच्चों के डायपर से होने वाले रैश को कम करने, मधुमेह, दाद और हेपेटाइटिस को रोकने में अहम भूमिका निभाता है।

कई बार ऐसा होता है, जब अचानक तकलीफ होती है और आप डॉक्टर के लिए बेचैन हो जाते हैं। ऐसी कई तकलीफों की अचूक दवा आपकी रसोई में होती है, कई असाध्य बीमारियों का आसान इलाज हमारे घर में ही उपलब्ध होता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उसका लाभ नहीं उठा पाते। दादी-नानी के इन नुस्खों की जानकारी समय पर काफी सहायक साबित होती है। जानते हैं ऐसे कुछ अचूक उपाय।

आपकी रसोई में छिपा है कई बीमारियों का पचार

अस्थमा

अगर आपको अस्थमा है तो आधा चम्मच दालचीनी पाउडर थोड़े-से शहद में मिला कर रोज रात में लें। यह आपकी श्वांस नली में सूजन और संक्रमण को कम कर तकलीफ से निजात दिलाएगा।

खांसी

तुलसी के हरे पत्ते लें, इन्हें मसल कर इनका रस निकाल लें, शहद और काली मिर्च के साथ मिला कर लें। इससे न सिर्फ सूखी खांसी से हुआ गले का रूखापन कम होगा, बल्कि यह कफ साफ करने में भी मददगार साबित होगा।

कील मुहांसे

कील, मुहांसे अक्सर युवाओं को परेशान करते रहते हैं और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग हर संभव प्रयास करते हैं। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो एक छोटे चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। कॉटन से इसे चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद इसे ताजे पानी से धो लें। ऐसा हर 10-15 दिन में एक बार करें।

सिरदर्द

सिरदर्द से परेशान हैं तो दो चम्मच अदरक का रस प्याज और नींबू के रस में मिलाएं और पी जाएं। अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो इसे ज्यादा मात्र में बना कर स्टोर भी कर सकते हैं।

अपच

अपच होने पर एक बड़ा चम्मच अनार का जूस, एक छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर एक छोटे चम्मच गुड़ के साथ मिलाएं। इसे दिन में दो-तीन बार लें। इससे अपच की समस्या से तुरंत आराम मिलेगा।

खुजलाहट

अगर आपको मामूली स्किन एलर्जी हुई है और खुजलाहट हो रही है तो तुरंत आराम के लिए हल्दी पाउडर में अजवाइन का पाउडर मिला कर लगाएं। प्याज का रस भी खुजलाहट वाली जगह पर लगाने से आराम मिलता है। दरअसल इन चीजों में पर्याप्त मात्र में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो संक्रमण से राहत दिलाता है।

खराब पाचन

अदरक पाउडर, घी और गुड़ बराबर मात्र में मिलाएं। इसकी छोटी-छोटी गोलियां बना कर रख लें और खाना खाने के बाद एक गोली खाएं। इससे आपका मेटाबोलिक सिस्टम ठीक हो जाएगा।

खराब गला

लौंग, अदरक और तुलसी के पत्ते पानी में उबालें और छान कर पी लें। एक चम्मच चाय की हरी पत्तियां पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न हो जाए। इसमें थोड़ा-सा नमक डालें और पी लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

पेट में दर्द

अजवाइन को पानी के साथ पीस लें और इसमें हींग मिला कर नाभि के आसपास लेप लगाएं। इससे पेट दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

छींक से राहत

दो चम्मच अजवाइन तवे पर भून लें। इसे एक रूमाल में बांध कर सूंघें।

डायरिया

एक छोटा चम्मच मेथी दाना लें, इसे एक चम्मच दही के साथ बिना चबाए खा लें, इससे डायरिया में तुरंत आराम मिलेगा। अगर दिक्कत ज्यादा है तो इसे दिन में दो बार लें। मेथी के दाने पानी के साथ भी ले सकते हैं। नींबू के रस में नमक डालें और इसे बिना पानी मिलाए मेथी के दाने इसके साथ निगल लें। पेट में ऐंठन और डायरिया से आराम के लिए एक चम्मच भुना जीरा और एक चम्मच सौंफ हर दो-तीन घंटे के अंतराल में पानी के साथ लें।

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टूवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और

चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है।

रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**